RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:33 ता. 29 जुलाई 2022, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पढ़ाई में बेटियां अव्वल, लड़कों की तुलना में कम स्कूल छोड़ रहीं लड़कियां

नई दिल्ली। लड़कियों का स्कूल जाने और पढ़ाई जारी रखने का रुझान पहले की तुलना में बेहतर हुआ है। लड़कियां माध्यमिक स्तर पर लड़कों की तुलना में कम संख्या में स्कूल छोड़ रही हैं। यह जानकारी केंद्र सरकार द्वारा संसद में एक सवाल के जवाब में दिए गए आंकड़ों से सामने आई है। वर्ष 2020-21 में माध्यमिक स्तर पर लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर 13.7 फीसदी थी। जबकि लड़कों की संख्या कहीं ज्यादा 14.3 फीसदी थी। हालांकि, प्राथमिक स्तर पर लड़कों का ड्रॉपआउट दर 1.2 और लड़कियों की लगभग बराबर 1.4 फीसदी थी। लड़के और लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर हर राज्य में समान नहीं है। जानकारों का कहना है कि राज्य विशेष की परिस्थिति, वहां की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में महिलाओं की भूमिका समेत राज्यों की योजनाओं का असर ड्रॉपआउट पर पड़ता है। वर्ष 2019-20 में भी लड़कियों ने लड़कों की अपेक्षा कम स्कूल छोड़ा।

स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय से बदली सोच

पूर्व शिक्षा सचिव डॉ. एके रथ का कहना है कि लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर पहले की तुलना में काफी कम हुई है। इसकी प्रमुख वजह स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय बनना है। यह बड़ा सामाजिक असर है, जिसे सही तरीके से समझने की जरूरत है। शौचालय न होने से अभिभावक भी लड़कियों को स्कूल भेजने से बचते थे। पूर्व शिक्षा सचिव ने कहा कि ओडिशा के कोरापुट में यूनिसेफ द्वारा कराए गए एक अध्ययन में इसकी पुष्टि भी हुई थी। नामांकन में 30 फीसदी वृद्धि हुई थी। डॉ. रथ ने कहा कि दूसरी बड़ी वजह स्कूलों में महिला शिक्षक की संख्या बढ़ना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की स्कूल जाने की झिझक कम हुई है। तीसरी वजह बहुत जगहों पर सरकार लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिल व अन्य तरीकों से प्रोत्साहन दे रही हैं।

भाजपा कार्यकर्ता की हत्या को लेकर कर्नाटक में तनाव, मुख्यमंत्री बोम्मई ने नड्डा के साथ होने वाला कार्यक्रम किया रद्द

नई दिल्ली। सीएम बसवराज बोम्मई ने बुधवार रात अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और घोषणा की कि उन्होंने डोड्डाबल्लापुर में एक मेगा रैली जनोत्सव रद्द कर दिया है, जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा शामिल होने वाले थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने राष्ट्र विरोधी और आतंकवादी ताकतों को खत्म करने के लिए राज्य में विशेष रूप से प्रशिक्षित कमांडो फोर्स बनाने का फैसला किया है। बोम्मई ने कहा, ÷इस हत्या के बाद हमारे दिलों में गुस्सा है। शिवमोग्गा में हर्ष (बजरंग दल के कार्यकर्ताओं) की हत्या के कुछ महीनों के भीतर की इस घटना ने मुझे पीड़ा दी है। उन्होंने आगे कहा कि मेरी सरकार ने एक साल पूरा किया और बी एस येदियुरप्पा के सत्ता में आने के बाद भाजपा के शासन के तीन साल हो गए हैं। हमने जनोत्सव की योजना बनाई थी लेकिन पीड़िता की मां और परिवार के दर्द को देखते हुए, मैंने कल के कार्यक्रमों को रद्द करने का फैसला किया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील और उनके कैबिनेट सहयोगियों के साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि, वह गरीबों, पिछड़े समुदायों और युवाओं के लिए कार्यक्रमों के संबंध में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा, मैं उन लोगों से माफी मांगता हूं जो गुरुवार को कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए उत्सुक थे, साथ ही पार्टी के नेताओं, मंत्रियों और कार्यकर्ताओं से जिन्होंने इसे आयोजित करने के लिए काम किया था। हमें इसे रद्द करना पड़ा क्योंकि मेरी अंतरात्मा ने इसे मंजूरी नहीं दी।÷ नड्डा को अवगत करा दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के एक नेता की हत्या के बाद बुधवार को दक्षिण कन्नड़ जिले में कई स्थानों पर तनाव उत्पन्न हो गया। कई जगहों पर पथराव और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने की खबरें आयी हैं। राज्य सरकार ने हत्या के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों अथवा संगठनों को कठोर दंड देने का आश्वासन दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो राज्य सरकार मामले को राष्ट्रीय

अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने में हिचकिचाएगी नहीं। संघ परिवार ने हत्या के विरोध में बुधवार को पुत्तुर, कदाबा और सुलिया तालुक में बंद का आह्वान किया। गौरतलब है कि मंगलवार रात को जिला भाजपा युवा मोर्चा समिति के सदस्य प्रवीन नेत्तारू की बेल्लारे में उसकी दुकान के सामने मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्लारे का रहने वाला नेत्तारू मंगलवार देर शाम को अपनी दुकान बंद करने के बाद घर जा रहा था, तभी अज्ञात हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। उसने बचकर भागने की कोशिश की लेकिन सिर पर वार किए जाने के कारण वह जमीन पर गिर गया। स्थानीय निवासियों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी।

दक्षिण कन्नड़ में भाजपा के युवा नेता की हत्या से तनाव

पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और खून से लथपथ नेत्तारू को अस्पताल लेकर गयी, जहां चिकित्सकों ने बताया कि अस्पताल लाने से पहले ही उसकी मौत हो गयी है। इस घटना से आक्रोशित भाजपा और संघ परिवार के समर्थकों तथा कार्यकर्ताओं ने सरकार पर अपना गुस्सा निकाला और आरोप लगाया कि वह हिंदू कार्यकर्ताओं के जीवन की रक्षा के लिए कुछ नहीं कर रही है। इस पर मुख्यमंत्री बोम्मई ने आश्वासन दिया कि दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा और उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी और कहा कि ''इसमें कोई संदेह नहीं है।'' पुलिस ने बेल्लारे थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया है और विभिन्न पहलुओं से जांच करने तथा दोषियों को पकड़ने के लिए चार दलों का गठन किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस थाने में कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। हत्या के बाद कुछ स्थानों पर सरकारी बसों पर पथराव किए जाने की घटनाएं हुईं। बोलवार में पुत्तुरू से मेंगलुरु जा रही बस पथराव से क्षतिग्रस्त हो गई।

भाजपा कार्यकर्ता का शव एक एम्बुलेंस में उसके पैतृक स्थान नेत्तारू ले जाया गया जहां उसका अंतिम संस्कार किया गया। मृतक की पत्नी ने एक स्थानीय टेलीविजन चैनल से बातचीत में कहा कि उनके पति निर्दोष थे और किसी भी बेगुनाह के साथ इस प्रकार का ''अन्याय'' नहीं होना चाहिए जैसा उनके साथ हुआ है। उन्होंने कहा, '' मेरे और उनके माता पिता के मना करने के बावजूद वह दिन रात लोगों और समाज के लिए काम करते थे। मैंने आज उन्हें खो दिया, उन्हें कौन वापस लाएगा। उन्होंने समाज के लिए सब कुछ किया ,लेकिन समाज उन्हें बचा नहीं पाया....। मैं नहीं चाहती कि कोई भी ऐसा व्यक्ति जो समाज के लिए काम करता हो उसकीपत्नी अथवा माता पिता मेरी तरह ये दिन देखें। इस संबंध में कदम उठाए जाने चाहिए।'' अंतिम संस्कार से पहले विभिन्न हिंदू संगठनों के सैकड़ों युवा कार्यकर्ता ''हम न्याय चाहते हैं'' के नारे लगाते हुए बेल्लारे में एकत्रित हो गए। पुलिस को पथराव की घटनाओं के बाद उग्र भीड़ को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा।

अंतरिक्ष में आउट ऑफ कंट्रोल हुआ चीनी रॉकेट, कहीं भी गिर सकता है मलबा; भारत भी रडार में

नई दिल्ली। एक चीनी रॉकेट का मलबा अगले कुछ दिनों में कुछ समय के लिए पृथ्वी पर दुर्घटनाग्रस्त होने के लिए तैयार है। जब यह चीने गिरेगा तो दुनिया के एक बड़े हिस्से को प्रभावित कर सकता है। कैलिफ़ोर्निया स्थित एक गैर-लाभकारी संस्था एयरोस्पेस कॉर्प के अनुसार, 24 जुलाई को चीन द्वारा लॉन्च किए गए लॉन्ग मार्च 5क्ररॉकेट का एक हिस्सा 31 जुलाई के आसपास एक अनियंत्रित रीएंट्री करेगा। आपको बता दें कि बूस्टर का वजन 23 मीट्रिक टन है। एयरोस्पेस की भविष्यवाणियों के अनुसार, मलबे के गिरने के संभावित क्षेत्रों में अमेरिका के साथ-साथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया शामिल हैं। हालांकि, चीन इस चिंता को सिरे से खारिज कर रहा है। ग्लोबल टाइम्स अखबार ने एक विशेषज्ञ का हवाला देते हुए कहा, अमेरिका एयरोस्पेस क्षेत्र में चीन के विकास को रोकने में सफल नहीं हो पा रहा है, इसके ऐसे मनगढंत आरोप लगा रहा है। वहीं, आलोचकों का कहना है कि अनियंत्रित दुर्घटनाओं की एक श्रृंखला है जो अमेरिका के साथ चीन की बढ़ती अंतरिक्ष दौड़ के जोखिमों को उजागर करती है। एयरोस्पेस ने मंगलवार को कहा, आबादी वाले क्षेत्र में बचे हुए मलबे के उतरने की संभावना शून्य नहीं है। दुनिया की 88 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे मलबों का

शिकार होती रही है। आपको बता दें कि मई 2021 में एक और लॉन्ग मार्च रॉकेट के टुकड़े हिंद महासागर में उतरे। इसको लेकर यह चिंता जताी गई कि चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने इस पर नियंत्रण खो दिया है। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा था,यह स्पष्ट है कि चीन अंतरिक्ष मलबे के संबंध में जिम्मेदार मानकों को पूरा करने में विफल रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में 3 तरह के हमलों का अलर्ट, पीओके में साजिश और ट्रायल

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आतंकी हमले का खुफिया अलर्ट है। खास बात यह है इस बार तीन तरह का खुफिया अलर्ट है, जिसके आधार पर सुरक्षा एजेंसियां चौकसी बरत रही हैं। दरअसल इस बार सुरक्षा एजेंसियों को स्वतंत्रता दिवस को लेकर अलग-अलग तरह के संभावित खतरे से सतर्क रहने को कहा गया है। इसमें तकनीक के इस्तेमाल से लेकर लांचिंग पैड और आतंकियों की घुसपैठ करने की बात सामने आई है।

ये हैं तीन तरह के खुफिया अलर्ट

1. पहला अलर्ट ड्रोन अटैक कर तबाही मचाने का है। खुफिया अलर्ट में जिक्र किया गया है कि आतंकी इसके लिए पीओके में ड्रोन से निशाना लगाने का अभ्यास कर रहे हैं।

2. दूसरा अलर्ट है कि आतंकी मेटल डिटेक्टर को चकमा देने वाले सॉफिस्टिकेटेड आईईडी का इस्तेमाल कर बड़ी वारदात को अंजाम देना चाहते हैं।

3. तीसरे अलर्ट में आतंकियों का एक जत्था पीओके में कोटिल (केओटीआईएल) नाम के लॉन्चिंग पैड से जबकि दूसरा पीओके

में डाटोटे (डीएटीओटीई) नाम के लांचिग पैड से घुसपैठ कर दिल्ली पहुंचाने की फिराक में होने का जिक्र है।

संदिग्ध चीजों पर खास नजर

खुफिया अलर्ट में सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि कोई संदिग्ध चीज मिले तो उसकी बेहद सावधानी से जांच करें। अगर बम हो तो उसे डिफ्यूज करने में भी ज्यादा सावधानी बरतें। क्योंकि सॉफिस्टिकेटेड आईईडी मेटल डिटेक्टर को भी चकमा दे सकता है। इसलिए जो पुलिसकर्मी मेटल डिटेक्टर पर तैनात हैं वो भी खास सावधानी बरतें और सही से जांच करें।

अलर्ट मोड पर सुरक्षा एजेंसियां

आकाशीय हमले का खुफिया इनपुट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। ड्रोन हमले की आशंका के मद्देनजर पूरी सावधानी बरती जा रही है। हवा में उड़ने वाली चीजों पर सुरक्षा कर्मियों की पैनी नजर है। ड्रोन हमले की आशंका के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने हवा में उड़ने वाली चीजों पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। इसके तहत पैरा-ग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट से चलने वाले विमान, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के बैटरी से चलने वाले एयरक्राफ्ट, क्वाडॉप्टर्स और पैरा जंपिंग उड़ान पर 15 अगस्त तक प्रतिबंध है।

मंकीपॉक्स का खतरा-'21 दिन का आइसोलेशन, तीन लेयर का मास्क पहनना जरूरी', केंद्र ने जारी किए दिशानिर्देश

मंकीपॉक्स के मरीजों और उनके संपर्क में आए लोगों के लिए केंद्र सरकार के नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। केंद्र के दिशानिर्देशों में मंकीपॉक्स के मरीजों और उनके संपर्क में आए लोगों को 21 दिन आइसोलेशन, मास्क पहनना, हाथ साफ रखना, घावों को पूरी तरह से ढककर रखना और उनके पूरी तरह से ठीक होने का इंतजार करना शामिल है। दिशानिर्देश मई में जारी किए गए थे और दिल्ली सरकार ने अपने अस्पतालों तथा 11 राजस्व जिलों को उनका पालन करने का निर्देश दिया था।

भारत में मंकीपॉक्स के 4 केस

दिल्ली में 24 जुलाई को मंकीपॉक्स का एक और मामला सामने आया है जिससे देश में ऐसे संक्रमितों की कुल संख्या चार हो गई है। सूत्रों ने कहा कि अब तक दिल्ली के पहले मंकीपॉक्स मरीज के संपर्क में आए 14 लोगों की पहचान की गई है और उनमें से किसी को भी लक्षण नहीं दिखे हैं। उन्होंने कहा कि संपर्क में आए एक व्यक्ति को शरीर में दर्द की शिकायत हुई थी, लेकिन वह अब ठीक है और उसमें कोई लक्षण नहीं है। वहीं, मंकीपॉक्स के एक अन्य संदिग्ध मरीज को दिल्ली के लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है और नमूने राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे भेजे गए हैं। हालांकि अधिकारियों ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। मंकीपॉक्स, वायरस से होने वाला संक्रामक रोग है - जो जानवरों से मनुष्यों में फैलता है। इसके लक्षण चेचक जैसे होते हैं, हालांकि चिकित्सकीय रूप से यह उतना गंभीर नहीं होता है।

केंद्र के दिशा-निर्देशों में क्या

जो स्वास्थ्यकर्मी मंकीपॉक्स के रोगियों या संभावित रूप से दूषित सामग्री के असुरक्षित संपर्क में हैं, उन्हें लक्षणहीन होने पर ड्यूटी से बाहर रखने की जरूरत नहीं है, लेकिन 21 दिन के लिए निगरानी रखी जानी चाहिए।

संक्रमित व्यक्ति को तीन लेयर वाला मास्क पहनना चाहिए त्वचा के घावों को हरसंभव सीमा तक ढककर रखना चाहिए जिससे कि दूसरे लोगों के इसके संपर्क में आने का जोखिम कम हो सके।

यूपी, बिहार, दिल्ली समेत इन राज्यों में फिर बारिश का दौर

नई दिल्ली। दिल्ली, यूपी, हरियाणा समेत कई राज्यों में आज से मॉनसून की बारिश और तेज होने की संभावना है। इसके चलते तापमान में भी बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश में आज और कल भारी बारिश होगी। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो से तीन दिन तक मॉनसून के उत्तर भारत में बने रहने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में भी आज सुबह से ही भारी बारिश हो रही है और इसके चलते एक बार फिर से अगली सूचना तक अमरनाथ यात्रा को रोक दिया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि जम्मू-कश्मीर में आज और कल अच्छी खासी बारिश होगी। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तर पंजाब, उत्तर हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 31 जुलाई तक भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 अगस्त तक बारिश जारी रहेगी। हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में आज और कल भारी बारिश होगी। इसके अलावा उत्तराखंड और पूर्वी यूपी में 30 जुलाई को भारी बारिश की संभावना जताई

गई है। झारखंड, बिहार और तेलंगाना में भी आज भारी बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली एनसीआर को भी मिलेगी बारिश से राहत

इस बीच दिल्ली और एनसीआर के लोगों को बारिश से बड़ी राहत मिल सकती है। आज एक बार फिर से दिल्ली में बारिश का दौर शुरू हो सकता है। शुक्रवार को भी दिल्ली में बारिश जारी रह सकती है। मौसम विभाग के साइंटिस्ट आरके जेनामणि ने कहा, बीते कुछ दिनों में बारिश कम हुई थी, लेकिन गुरुवार से बारिश एक बार फिर से लौट सकती है। दिल्ली और उसके आसपास के इलाके में दो चरणों में अच्छी खासी बारिश हो सकती है।

बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा को भी रोका गया-बारिश का असर अमरनाथ यात्रा पर भी देखने को मिला है। गुरुवार सुबह ही अमरनाथ यात्रा को रामबन जिले के चंदरकोट में रोक दिया गया। आज सुबह 4 बजे ही 1,597 यात्रियों का पहला जत्था रवाना हुआ था, जिसे रोक दिया गया। प्रशासन की ओर से भी लोगों को सलाह दी गई है कि वे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर यात्रा न करें।

10 बक्सों में कैश और 40 पन्नों की डायरी, अर्पिता मुखर्जी के घर से ED को क्या-क्या मिला, जिससे खुलेंगे राज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी के करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के दूसरे फ्लैट से करीब 29 करोड़ रुपये नकद और पांच किलोग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। स्कूली शिक्षकों की नौकरी घोटाले की जांच कर रहे ईडी के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। जांच एजेंसी के अधिकारी 18 घंटे तक चली छापेमारी के बाद आज सुबह कोलकाता के बेलघरिया इलाके में अर्पिता मुखर्जी के घर से 10 ट्रंक नकदी लेकर निकले। सूत्रों का कहना है कि ईडी के अधिकारियों ने मुखर्जी के दूसरे फ्लैट से जब्त की गई नकदी की सही मात्रा जानने के लिए तीन नोट काउंटिंग मशीनों का इस्तेमाल किया।

पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी को 23 जुलाई को उनके घर पर पहली खेप मिलने के एक दिन बाद गिरफ्तार किया गया था। पिछले हफ्ते की छापेमारी के दौरान, जांच एजेंसी के अधिकारियों ने शहर में अर्पिता के दूसरे फ्लैट से 21 करोड़ रुपये नकद, बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा और 2 करोड़ रुपये की सोने की छड़ें बरामद की थीं। उन्हें लगभग 40 पन्नों के नोटों वाली एक डायरी भी मिली, जो जांच में महत्वपूर्ण सुराग दे सकती थी। अर्पिता मुखर्जी के दोनों घरों से अब तक 50 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए हैं। कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जब्त किए गए हैं जिनकी अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है।

भाजपा ने राष्ट्रीय ध्वज को धंधा बना दिया; मौलाना तौकीर ने मोदी सरकार पर फिर की तीखी बयानबाजी

आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल में स्कूलों में नौकरियों में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की जांच के तहत छापे मारे गए थे। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मंत्रिमंडल में वरिष्ठ मंत्री और उनके करीबी पार्थ चटर्जी पर शिक्षा मंत्री रहते हुए सरकारी स्कूलों में स्कूल शिक्षकों और कर्मचारियों की कथित रूप से अवैध नियुक्ति में भूमिका निभाने का आरोप है।

अर्पिता मुखर्जी ने कथित तौर पर जांचकर्ताओं को बताया है कि यह पैसा तबादलों के लिए और कॉलेजों को मान्यता दिलाने में मदद करने के लिए प्राप्त किया गया था। अर्पिता मुखर्जी ने जांचकर्ताओं को यह भी बताया, ÷पार्थ ने मेरे और दूसरी महिला के घर को मिनी बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। वह दूसरी महिला भी उसकी करीबी दोस्त है।

जांच एजेंसी ने कल पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष तृणमूल कांग्रेस के विधायक माणिक भट्टाचार्य से भी पूछताछ की।

पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी को लेकर विपक्ष की नाराजगी का सामना करते हुए ममता बनर्जी ने पिछले हफ्ते कहा था कि वह भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करती हैं और दोषी पाए जाने पर गिरफ्तार मंत्री को दंडित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसे दंडित किया जाना चाहिए, लेकिन मैं अपने खिलाफ किसी भी दुर्भावनापूर्ण अभियान की निंदा करती हूं। सच्चाई सामने आनी चाहिए, लेकिन एक समय सीमा के भीतर।

जम्मू-कश्मीर में भीषण बारिश, रामबन के सभी शैक्षणिक संस्थान अगले आदेश तक बंद

श्रीनगर । जम्मू क्षेत्र में गुरुवार को भारी बारिश के बाद अचानक बाढ़ आने और मिट्टी धंसने के कारण रामबन जिले में स्कूल और शैक्षणिक संस्थान बंद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि चिनाब नदी में जल स्तर खतरे के स्तर 35 फुट से ऊपर चला गया है तथा प्राधिकारियों ने जल स्तर और बढ़ने की चेतावनी दी है। मिट्टी धंसने के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भी बंद कर दिया गया है, इससे सैकड़ों वाहन फंस गए हैं। अधिकारी ने कहा, ''रामबन जिले में भारी बारिश के मद्देनजर आज सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रहने वाले हैं। छात्रों को घर पर तथा सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है। प्राधिकारियों ने भारी बारिश के कारण जलाशयों का स्तर बढ़ने के कारण लोगों तथा बच्चों को उनसे दूर रहने की भी सलाह दी है। उन्होंने बताया कि कैफेटेरिया मूर और पंटियाल इलाकों में पत्थर गिरे, जिससे मेहार पर कश्मीर को शेष देश से जोड़ने वाला यह राजमार्ग अवरुद्ध हो गया। यातायात पुलिस के परामर्श के अनुसार, लोगों को मार्ग संबंधी पूर्ण जानकारी हासिल होने तक जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर यात्रा ना करने का सुझाव दिया गया है।

24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 20,557 नए मामले सामने आए, 44 लोगों की मौत

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 20,557 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,39,59,321 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,46,323 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 44 लोगों की मौत हो गई है। देश में कुल मृतकों की संख्या बढ़कर 5,26,211 हो गई है। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,46,323 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.33 प्रतिशत है।

पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,297 की बढ़ोतरी हुई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.47 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 203.21 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पेंशन को आय नहीं माना जा सकता, मद्रास हाईकोर्ट का फैसला

मदुरै । मद्रास हाईकोर्ट ने फैसले में कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पेंशन को किसी की आय नहीं माना जा सकता। यह पेंशन देश की आजादी की लड़ाई में योगदान को देखकर सम्मान स्वरूप दी जाती है। यह टिप्पणी कर हाईकोर्ट ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वह याचिकाकर्ता महिला को स्वतंत्रता सैनिक सम्मान योजना के तहत दिवंगत पिता की पेंशन के अलावा सरकारी कर्मचारी रही मां की फैमिली पेंशन भी दें। रिपोर्ट के अनुसार, मामला तमिलनाडु के पुदुकोट्टाई का है। यहां एस.जीवालक्ष्मी नाम की महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करके प्रशासन के फैमिली पेंशन देने से इनकार करने के आदेश को चुनौती दी थी। अविवाहित जीवालक्ष्मी के पिता एसटी शिवास्वामी एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। उन्हें स्वतंत्रता सैनिक सम्मान योजना के तहत पेंशन मिलती थी। जीवालक्ष्मी की मां एक निगम के प्राइमरी स्कूल में काम करती थीं। 1979 में मां की मृत्यु के बाद से उनकी फैमिली पेंशन भी पिता को मिलने लगी।

साल 2001 में शिवास्वामी का देहांत हुआ। उनकी कानूनी वारिस होने के नाते जीवालक्ष्मी को उनकी स्वतंत्रता सेनानी पेंशन मिलने लगी। हालांकि पिता की मृत्यु के बाद न तब जीवालक्ष्मी ने और न ही उनके किसी भाई-बहन ने मां की फैमिली पेंशन निकाली। 2001 में सरकार ने आदेश निकाला कि फैमिली पेंशन 25 साल से ऊपर की अविवाहित बेटियों को भी मिलेगी, लेकिन शर्त ये लगाई कि उसकी महीने की आमदनी 2550 रूपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसके बाद में 2017 में, आमदनी की ये सीमा बढ़ाकर 7850 रुपये कर दी गई। 2017 में जीवालक्ष्मी ने अपनी मां की पेंशन लेने के लिए आवेदन दिया, जिसे मंजूरी दे दी गई। हालांकि एक साल बाद ही अधिकारियों ने ये कहकर पेंशन बंद कर दी कि वह पेंशन पाने के योग्य नहीं हैं, क्योंकि उन्हें पहले से ही स्वतंत्रता सैनिक सम्मान योजना के तहत पेंशन मिल रही है। अधिकारियों के आदेश को जीवालक्ष्मी ने मद्रास हाईकोर्ट में 2020 में चुनौती दी। वहीं मामले में कोर्ट में सरकार की ओर से दलील दी गई कि जीवालक्ष्मी को सेनानी पेंशन के तौर पर 13390 रुपये मिल रहे हैं, इस तरह वह मां की फैमिली पेंशन के योग्य नहीं हैं, क्योंकि उनकी महीने की आमदनी निर्धारित सीमा से ज्यादा है। इसपर हाईकोर्ट के जस्टिस बी पुगलेंधी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट भी अपने पहले के फैसलों में ये स्पष्ट कर चुके हैं कि स्वतंत्रता सेनानी पेंशन योजना स्वतंत्रता संग्राम में लोगों के बलिदान और योगदान को देखते हुए दी जाती है। यह एक सांकेतिक सम्मान की तरह है। इसके बाद इस पेंशन को इनकम के दायरे में नहीं माना जा सकता।

दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दल भाजपा के खिलाफ एकजुट

हैदराबाद । दक्षिण भारत में लोकसभा की 130 सीटें हैं। इनमें से कर्नाटक की 25 तथा 4 अन्य राज्यों में लोकसभा की सीट भाजपा के पास हैं। भारतीय जनता पार्टी जिस तरह से दक्षिण के राज्यों में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए, क्षेत्रीय दलों के बीच सेंध लगाने का काम कर रही है। इससे दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दल कमजोर हो रहे हैं। दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दलों ने भाजपा से मुकाबला करने के लिए एकजुट होना शुरू कर दिया है। दक्षिण भारत की संस्कृति और प्रत्येक राज्य का ताना-बाना भाषाई संस्कृति बनी रहे। इसके लिए क्षेत्रीय दलों ने एकजुट होना शुरू कर दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने दक्षिण भारत के राज्यों को भाषाई आधार पर,भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। हिंदी भाषा और हिंदुत्व को नए नजरिए को थोपने का विरोध दक्षिण भारत के राज्य करने लगे हैं। पिछले कुछ माह में क्षेत्रीय दलों के खिलाफ जिस तरह से तोड़फोड़ का अभियान भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाया जा रहा है। उससे दक्षिण भारत के क्षेत्रीय दल सतर्क हो गए हैं। लोकसभा चुनाव के पूर्व दक्षिण भारत के राज्यों में भाजपा के खिलाफ जो माहौल बन रहा है। वह आश्चर्यचकित करने वाला है।

अर्पिता मुखर्जी के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई जारी, दूसरे घर में भी मिला अकूत खजाना

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई जारी है। अर्पिता मुखर्जी के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। कोलकाता के आसपास 3 जगहों पर प्रवर्तन निदेशालय की ओर से छापेमारी की गई। इस दौरान अर्पिता मुखर्जी के बेलघरिया स्थित एक और फ्लैट पर ईडी ने छापेमारी की। ईडी की इस छापेमारी में करीब 29 करोड रुपए कैश और 5 किलो के आसपास सोना बरामद हुआ है। कैश की मात्रा इतनी ज्यादा थी कि ईडी को इसे गिनने में 10 घंटे का समय लग गया। हैरान करने वाली बात तो यह है कि अर्पिता ने यह सारा पैसा टॉयलेट में छिपा रखा था। आपको बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय पश्चिम बंगाल में टीचर भर्ती घोटाले में कार्यवाही कर रही है। इसी सिलसिले में पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि जब यह घोटाला हुआ, उस समय पार्थ चटर्जी राज्य के शिक्षामंत्री थे। इससे पहले ईडी ने अर्पिता मुखर्जी के एक फ्लैट से करीब 21 करोड़ और कीमती सामान बरामद किए थे। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने अर्पिता को 23 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया था। यही कारण है कि अब पार्थ चटर्जी की भी मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। तृणमूल कांग्रेस में भी पार्थ चटर्जी को मंत्रिमंडल से बाहर करने की मांग उठने लगी है। ईडी पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और तृणमूल कांग्रेस के विधायक मनिक भट्टाचार्य से भी पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि अर्पिता मुखर्जी के बेलघरिया के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान ईडी को फ्लैट के दरवाजे तोड़ने पड़े। मुखर्जी ने पूछताछ के दौरान ईडी को कोलकाता के आसपास की अपनी संपत्ति की जानकारी दी थी। एक अधिकारी ने बताया कि हमें हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में दो में से एक फ्लैट में बड़ी मात्रा में नकदी मिली है। हमने रुपयों की गिनती के लिए तीन मशीनें मंगवाई हैं, ताकि पता चले कि वास्तव में कितनी राशि है। उन्होंने बताया कि फ्लैटों की तलाशी के दौरान कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं।

मुझसे बात मत करो, संसद में स्मृति ईरानी पर भड़कीं सोनिया गांधी दोनों में हुई तीखी बहस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भाजपा की ओर से राज्यसभा और लोकसभा में जमकर हंगामा किया गया। इसके बाद अब सदन से बाहर सोनिया गांधी और स्मृति इरानी की तीखी बहस हुई है। दरअसल सदन की कार्यवाही स्थगित किए जाने के बाद सोनिया गांधी जब बाहर निकल रही थीं तो उन्हें देखकर भाजपा के सांसद नारेबाजी करने लगे। इस बीच सोनिया गांधी भाजपा की सांसद रमा देवी के पास आईं और उन्होंने कहा कि अधीर रंजन चौधरी ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांग ली है। इसी बीच स्मृति इरानी ने बीच में दखल देने की कोशिश की, जिस पर सोनिया गांधी भड़क गईं। उन्होंने कहा कि मैं आपसे बात नहीं करना चाहती। सोनिया गांधी ने Don't talk to me कहा, जिसके जवाब में स्मृति इरानी ने भी कुछ कहा और दोनों के बीच करीब दो मिनट तक तीखी बहस चली। साफ है कि संसद में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच कड़वाहट बढ़ गई है और नेताओं के आपसी रिश्तों में भी खटास देखने को मिल रही है। बता दें कि स्मृति इरानी इस मुद्दे पर संसद में भी आक्रामक थीं। उन्होंने कहा था कि सोनिया गांधी की अनुमति से ही अधीर रंजन चौधरी ने ऐसा बयान दिया है, इसलिए खुद सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मामले पर कहा, 'हमारे कुछ लोकसभा सांसदों को खतरा महसूस हुआ जब सोनिया गांधी हमारी वरिष्ठ नेता रमा देवी के पास यह जानने के लिए आईं कि क्या हो रहा था। इस दौरान हमारा एक सदस्य वहां पहुंचा और सोनिया गांधी ने कहा 'मुझसे बात मत करो। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा लोकसभा में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अमर्यादित और अपमानजनक व्यवहार किया। लेकिन क्या स्पीकर इसकी निंदा करेंगे? क्या नियम सिर्फ विपक्ष के लिए होते हैं।

367 जगहों पर स्थानीय निकायों के चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण नहीं मिलेगा, सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली । महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 367 जगहों पर स्थानीय निकायों के चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण नहीं मिलेगा। दरअसल आरक्षण की अनुमति मिलने से पहले ही राज्य चुनाव आयोग ने 367 जगहों के लिए अधिसूचना जारी कर दी थी। इसके बाद अब यहां बिना आरक्षण के ही चुनाव होगा। कोर्ट ने कहा कि उन सीटों के लिए नए सिरे से चुनाव की अधिसूचना जारी नहीं की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य चुनाव आयोग ने ऐसा किया, तब ये कोर्ट की अवमानना होगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को महाराष्ट्र चुनाव आयोग को जमकर फटकार लगा दी। दरअसल आयोग ने आरक्षण देने के लिए दोबारा अधिसूचना जारी करने का आदेश जारी किया था। जिसे शीर्ष अदालत ने ने गलत माना, अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग उन चुनावों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है जिन्हें पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है। बता दें कि 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) और सभी राज्य प्राधिकरणों को ये सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि ओबीसी आरक्षण से संबंधित आयोग द्वारा की गई सिफारिश के अनुसार स्थानीय निकायों के चुनाव की प्रक्रिया तुरंत शुरु करे।

बच्ची बोली आप मोदी जी हैं और लोकसभा में काम करते हैं, जवाब सुनकर खूब हंसे पीएम मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पीएम मोदी को बच्चे बहुत पसंद हैं। बच्चों के सामने वह बहुत अलग अंदाज में पेश आते हैं। ऐसा ही एक वायका पीएम मोदी के ऑफिस का है, जब भाजपा सांसद की पांच वर्षीय बेटी से पीएम मोदी ने पूछा कि क्या आप और मुझे जानती हैं? बच्ची ने कहा मैं आपको जानती हूं, आप लोकसभा में नौकरी करते हैं। यह जवाब सुनकर से पीएम मोदी सहित वहां बैठा पूरा स्टाफ हंस पड़ा। बच्ची की मासूमियत से पीएम मोदी बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने उस बच्ची से देर तक बात की और जाते समय एक चाकलेट भी दी।

दरअसल मामला यह है कि बुधवार को भाजपा सांसद अनिल फिरोजिया की 5 साल की बेटी से पीएम मोदी ने बातचीत की। मध्य प्रदेश के उज्जैन से सांसद फिरोजिया संसद में अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री से मिलने गए थे। इस दौरान उनकी 5 साल की बच्ची अहाना भी उनके साथ थी। पीएम मोदी ने अहाना फिरोजिया से पूछा कि क्या आप जानती हैं कि मैं कौन हैं? तो 5 वर्षीय बच्ची ने जवाब दिया हां, मुझे पता है आप मोदी जी हैं। आप टीवी पर रोज आते हैं। इसके बाद, पीएम ने बच्ची से पूछा क्या आप जानती हैं कि मैं क्या करता हूं? इस पर अहाना ने तुरंत जवाब दिया आप लोकसभा में नौकरी करते हैं। यह सुनकर कमरे में मौजूद सभी लोग हंस पड़े और हंसते हुए पीएम मोदी ने लड़की के कमरे से निकलने से पहले उसे चॉकलेट दी।

अहाना के पिता हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा प्रस्तुत एक चुनौती लेने के बाद अपना वजन कम करने के लिए सुर्खियों में आए थे।

पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए फिरोजिया ने कहा आज एक अविस्मरणीय दिन है। दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, देश के सबसे सफल और सबसे सम्मानित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलने का सौभाग्य मिला। उनका आशीर्वाद और जनता की निस्वार्थ सेवा का मंत्र प्राप्त हुआ। फिरोजिया ने कहा मैं भाग्यशाली हूं कि देश को अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले ऐसे मेहनती, ईमानदार, निस्वार्थ और बलिदानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में मुझे जनता की सेवा करने का अवसर मिला है। आज मेरी दोनों बेटियां, छोटी लड़की अहाना और बड़ी लड़की प्रियांशी प्रधानमंत्री से सीधे मिलने और उनका स्नेह पाने से खुश और अभिभूत हैं।

एकनाथ शिंदे के समूह वाली शिवसेना और भाजपा मिलकर लड़ेंगे औरंगाबाद निकाय चुनाव

औरंगाबाद। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का बागी समूह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन बनाकर औरंगाबाद नगर निगम (एएमसी) का चुनाव लड़ेंगे। शिवसेना के बागी समूह के एक पदाधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दरअसल, जल्द ही एएमसी चुनाव होने वाले हैं और तारीखों की घोषणा की जानी बाकी है। शिवसेना और भाजपा का गठबंधन तीन दशकों से अधिक समय तक नगर निकाय में सत्ता में रह चुका है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन कर राज्य में महा विकास आघाड़ी सरकार का गठन किया था। इसके बाद एएमसी के उपमहापौर विजय औतादे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। औतादे भाजपा के नेता हैं। एकनाथ शिंदे के समूह वाली शिवसेना के जिला अध्यक्ष राजेंद्र जांजल ने पीटीआई-से कहा, ''अब शिंदे समूह और भाजपा औरंगाबाद नगर निगम चुनाव एक साथ लड़ेंगे। इस पर शुरुआती चर्चा पहले ही हो चुकी है।'' उन्होंने दावा किया कि औरंगाबाद का विकास तब शुरू हुआ जब देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने शहर के लिए धनराशि देना शुरू किया था।

मंकीपॉक्स संक्रमण के 95 प्रतिशत मामलों का कारण यौन संबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया भर में मंकीपॉक्स के बढ़ते संक्रमण के बीच रिसर्च में बड़ा खुलासा हुआ है। शोध में कहा गया है कि मंकीपॉक्स से संक्रमित 98 प्रतिशत पुरुष थे, और इनमें से ज्यादातर, पुरुषों (एमएसएम) के साथ यौन संबंध रखते थे। इसके साथ ही 41 प्रतिशत रोगियों को एचआईवी संक्रमण था। रिसर्च में कहा गया है कि संक्रमित व्यक्तियों की औसत आयु 38 वर्ष थी और संदेह है कि संक्रमण के 95 प्रतिशत मामलों का कारण यौन संबंध है।

रिसर्च में आशंका जाहिर की गई हैं कि मंकीपॉक्स संक्रमण यौन संबंधों से फैल रहा है। रिसर्च में 27 अप्रैल से 24 जून के बीच 16 देशों में 43 जगहों पर 528 संक्रमितों का ऑब्जर्वेशन किया गया। हालांकि इनमें से किसी की मौत नहीं हुई है। इनमें सिर्फ 13 प्रतिशत रोगियों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता लगी। अभी तक 74 देशों में मंकीपॉक्स के लगभग 18,000 कंफर्म मामले सामने आए हैं। मामलों की समीक्षा से साफ होता हैं, कि संक्रमित लोगों में से 1 से 3 प्रतिशत मरीजों की इलाज के अभाव में मृत्यु हो गई और मृत्यु दर 3 से 6 प्रतिशत है। वहीं भारत में मंकीपॉक्स संक्रमण को लेकर केंद्र सरकार काफी सतर्क है। भारत सरकार ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन से एक मार्गदर्शन दस्तावेज तैयार करने के लिए कहा है। एक्सपर्ट्स ने एचआईवी/एड्स रोकथाम नेटवर्क और इस क्षेत्र में काम करने वाले एनजीओ के माध्यम से निगरानी करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

राष्ट्रपति का अपमानः अधीर रंजन पर केंद्रीय मंत्रियों ने बोला चौतरफा हमला

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को कांग्रेस के लोकसभा में नेता अधीर रंजन चौधरी द्वारा 'राष्ट्रपत्नी' कहे जाने पर गुरुवार को सियासी हंगामा हो गया। जहां बीजेपी के तमाम नेताओं ने अधीर रंजन पर राष्ट्रपति के अपमान का आरोप लगाकर तीखे हमले किए। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति की कुर्सी पर बैठे देखकर बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। बीजेपी लगातार अधीर रंजन चौधरी और कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी से देश से माफी मांगने की मांग कर रहे हैं। इधर अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि 'वह मानते हैं कि उनसे चूक हुई है. गलती से उनके मुंह से ये शब्द निकल गया है। कुछ लोग राई का पहाड़ बना रहे हैं। जरुरत पड़ी तब मैं राष्ट्रपति से मिलकर माफी मांगूंगा।

कांग्रेस नेता चौधरी पर हमला बोलकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोप लगाया कि 'लोकसभा में विपक्ष के नेता का उद्देश्य स्पष्ट रूप से नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का अपमान करना था, जो एक स्व-निर्मित महिला हैं, एक आदिवासी पृष्ठभूमि से आती हैं. पूरा भारत उनका समर्थन कर रहा है। राष्ट्रपत्नी' शब्द का प्रयोग कहीं नहीं होता है। राष्ट्रपति शब्द पुरुष और महिलाओं दोनों के लिए समान रूप से इस्तेमाल होता है। यह एक सामान्य ज्ञान है।

वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि जब से द्रौपदी मुर्मू का नाम राष्ट्रपति के उम्मीदवार के रूप में घोषित हुआ, तब से ही द्रौपदी मुर्मू कांग्रेस पार्टी की घृणा और उपहास का शिकार बनीं। कांग्रेस पार्टी ने उन्हें कठपुतली कहाज कांग्रेस आज भी इस बात को स्वीकार नहीं कर पा रही कि एक आदिवासी महिला इस देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को सुशोभित कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राष्ट्रपति के अपमान को लेकर पूरा देश आक्रोशित है, लेकिन कांग्रेस पार्टी हमारे जनजातीय समाज का बार-बार अपमान करती रही है। आज कांग्रेस की अध्यक्ष कहती हैं कि अधीर रंजन ने माफी मांगी, लेकिन अधीर रंजन कहते हैं कि मैं माफी क्यों मांगूं?

वहीं बीजेपी सांसद रमा देवी ने रंजन की टिप्पणी को लेकर कहा कि राष्ट्र इस बर्दाश्त नहीं करेगा। महिलाओं के रूप में हम इस बर्दाश्त नहीं करने वाले हैं। एक आदिवासी महिला के राष्ट्रपति होने पर शर्म महसूस करने के लिए हमें उन (कांग्रेस नेता) पर शर्म आती है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ये (अधीर चौधरी की 'राष्ट्रपत्नी' वाली टिप्पणी) दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी को माफी मांगनी चाहिए और मांगनी पड़ेगी। ये सर्वोच्च पद पर बैठी देश की महिला का अपमान है, देश के आदिवासियों का अपमान है और साथ ही साथ भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है।

उधर चौधरी ने संसद भवन परिसर में कहा कि मैं जानता हूं कि भारत की राष्ट्रपति चाहे कोई भी हों, हमारे लिए राष्ट्रपति ही हैं। ये शब्द बस एक बार निकला है, ये चूक हुई है लेकिन सत्ताधारी पार्टी के कुछ लोग राई का पहाड़ बना रहे हैंज अगर जरुरत पड़ी तब मैं राष्ट्रपति से मिलकर माफी मांगूंगा। मैं बार-बार कह रहा हूं कि मुझसे चूक हुई है लेकिन ये सभी मुद्दे को भटका रहे हैं। मुझे बोलने का मौका देना चाहिए, राष्ट्रपति सर्वोच्च स्थान पर हैं। मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता कि ऐसा कहूं।

इस दौरान कांग्रेस नेता अधीर के बयान पर हंगामे के बीच कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी उनका बचाव करती दिखीं. सोनिया ने कहा कि वह (अधीर) पहले ही माफी मांग चुके हैं। संसद भवन परिसर में जब सोनिया गांधी से पूछा गया कि क्या वह अधीर रंजन चौधरी से माफी मांगने के लिए कहेंगी तब उन्होंने कहा, 'वह पहले ही माफी मांग चुके हैं।

राष्ट्रपत्नी विवाद को लेकर भाजपा ने कांग्रेस को बताया आदिवासी विरोधी, कहा- सोनिया गांधी को मांगनी चाहिए माफी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमलवार है। भाजपा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर आदिवासी विरोधी होने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संविधान सभा में जो तय हो चुका है, जिस पर बहस नहीं होनी चाहिए। ऐसे मुद्दे से फिर से छेड़छाड़ की गई। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भारत के सबसे ऊंचे और सबसे पवित्र राष्ट्रपति पद को लेकर जो टिप्पणी की है, उससे हम बहुत आहत हैं।

उन्होंने कहा कि अधीर रंजन चौधरी ने जिस तरह से राष्ट्रपति जी को संबोधित किया, उसकी हम घोर निंदा करते हैं। पहली बार आदिवासी महिला इस देश की राष्ट्रपति बनी है। जिस दिन उनके नाम की घोषणा की गई, उसी दिन से कांग्रेस की टिप्पणियां सामने आने लगी। उन्होंने कहा कि उसी दिन कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा द्वारा राष्ट्रपति उम्मीदवार का चयन भारत के बहुत बुरे दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है। उसके बाद भी एक के बाद एक बयान आते गए। लेकिन जब वो राष्ट्रपति पद पर बैठ गई, उसके बाद तो कोई टिप्पणी आनी ही नहीं चाहिए।

किरेन रिजिजू ने कहा कि आज हमनें मीडिया में सुना कि अधीर रंजन चौधरी इसे छोटी बात बता रहे थे। इस तरह की हल्की टिप्पणी करके राष्ट्रपति की गरिमा को उन्होंने जो चोट पहुंचाई है, उसके लिए अधीर रंजन चौधरी और पूरी कांग्रेस पार्टी एवं उनकी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

सोनिया गांधी मांगें माफी

इसी बीच भाजपा नेता डॉ. भारती प्रवीण पवार ने कहा कि आज फिर एक बार कांग्रेस की आदिवासी विरोधी और महिला विरोधी मानसिकता सामने आई है। अधीर रंजन चौधरी द्वारा देश की प्रथम आदिवासी महिला राष्ट्रपति के प्रति अपमानजनक टिप्पणी की गई है। इससे हमारे देश, संविधान, महिलाओं और जनजातीय समाज की गरिमा को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस से कहना चाहती हूं कि क्या हमारे देश में आदिवासियों को कोई अधिकार नहीं है। इस

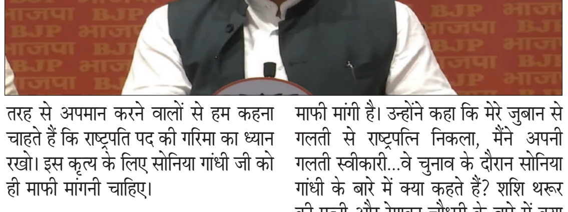

तरह से अपमान करने वालों से हम कहना चाहते हैं कि राष्ट्रपति पद की गरिमा का ध्यान रखो। इस कृत्य के लिए सोनिया गांधी जी को ही माफी मांगनी चाहिए।

अधीर रंजन ने मांगी माफी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर आपत्तिजनक बयान मामले में अधीर रंजन ने माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि मेरे जुबान से गलती से राष्ट्रपत्नि निकला, मैंने अपनी गलती स्वीकारी...वे चुनाव के दौरान सोनिया गांधी के बारे में क्या कहते हैं? शशि थरूर की पत्नी और रेणुका चौधरी के बारे में क्या कहा? मैंने राष्ट्रपति से समय मांगा, मैं उनसे बात कर माफी मांगूंगा।

मानवाधिकारों का सम्मान हो, श्रीलंका के लोगों की आकांक्षाओं को सुना जाए: अमेरिकी राजदूत

कोलंबो। अमेरिकी राजदूत जूली चुंग ने बुधवार को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की और उनसे कहा कि श्रीलंका की नयी सरकार को सुशासन को अपनाना चाहिए, मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और अपने लोगों की आकांक्षाओं को सुनना चाहिए। सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ विक्रमसिंघे की हालिया कार्रवाई की आलोचना करने वाली चुंग ने विक्रमसिंघे से राष्ट्रपति कार्यालय में मुलाकात की।अमेरिकी राजदूत ने ट्वीट कर कहा, ''राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ आज राष्ट्रपति कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंने ऐसे समय में पदभार ग्रहण किया है जब श्रीलंका एक 'चौराहे' पर खड़ा है। हमने चर्चा की कि यह (श्रीलंका) आर्थिक और राजनीतिक संकट के इस बिंदु पर कैसे पहुंचा और हम सभी लोगों के लिए उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने के वास्ते किस तरह मिलकर काम कर सकते हैं।'' चुंग ने कहा कि दोनों देश और उनके लोग 70 से अधिक वर्षों से मित्र और भागीदार रहे हैं।

यूरोपीय संघ की स्वास्थ्य आयुक्त ने मंकीपॉक्स से निपटने के वास्ते कार्रवाई तेज करने का आग्रह किया

ब्रसेल्स। स्वास्थ्य के लिए यूरोपीय संघ की आयुक्त ने क्षेत्र की सरकारों से मंकीपॉक्स से निपटने के लिए अपनी कार्रवाई को तेज करने का बुधवार को आग्रह किया। यूरोपीय संघ के 27 देशों के स्वास्थ्य मंत्रियों को भेजे एक पत्र में, यूरोपीय संघ की स्वास्थ्य आयुक्त स्टेला क्यारीकाइड्स ने मंकीपॉक्स से निपटने के वास्ते ''ठोस और समन्वित कार्रवाई'' करने का आह्वान किया। उन्होंने पत्र में कहा है, ''यह आत्मसंतुष्टि का समय नहीं है और हमें इस बीमारी को नियंत्रित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना होगा।'' विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पिछले सप्ताह मंकीपॉक्स के प्रकोप को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था। स्टेला ने कहा कि इस स्तर पर क्षेत्र की प्राथमिकताओं में मामलों की पहचान करना और संक्रमण के प्रसार को रोकना शामिल होना चाहिए।अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र के अनुसार, मई के बाद से 74 देशों में मंकीपॉक्स के 16,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। अब तक, केवल अफ्रीका में मंकीपॉक्स से होने वाली मौतों की सूचना मिली है।

अमेरिकी सांसद प्रमिला को जान से मारने की धमकी देने के संदेह में एक व्यक्ति गिरफ्तार

सिएटल। अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल को जान से मारने की धमकी देने के संदेह में सिएटल के एक व्यक्ति को इस माह की शुरुआत में गिरफ्तार किया है। किंग काउंटी अभियोजन अटार्नी के कार्यालय ने कहा कि पुलिस द्वारा अतिरिक्त सबूत इकट्ठे करने के बाद ब्रेट फोरसेल पर आरोप लगाए गए हैं। देर रात जयपाल के सिएटल स्थित घर के बाहर अश्लील बातें करने और धमकियां देने के बाद फोरसेल को 9 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। जब अभियोजकों ने कहा कि हेट क्राइम के आरोप के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे, तब फोरसेल को रिहा कर दिया गया। हालांकि मामले में अधिकारियों ने कहा कि जांच जारी रहेगी। अभियोजकों ने कहा कि पुलिस ने बाद में पीछा करने के मामले पर संज्ञान लिया है। 2016 में जयपाल अमेरिकी संसद के लिए चुनी गई पहली भारतीय अमेरिकी महिला बनी थी। अपराधी के बारे में बताते हुए अभियोजकों ने कहा कि फोरसेल एक घातक हथियार से लैस था और जयपाल का पीछा उसने पद के कारण किया था। जानकारी के अनुसार, जयपाल ने देखा कि फोरसेल उनके घर के बाहर उनका नाम लेकर अभद्र बातें कर रहा है। इसके बाद उन्होंने 9 जुलाई को कॉल कर मामले को रिपोर्ट कराया। इस पर कार्रवाई करते हुए सिएटल पुलिस ने रात 11:25 बजे जयपाल के घर के बाहर से फोरसेल को गिरफ्तार किया।

रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के आरोप में कनाडा में दो लोग गिरफ्तार

टोरंटो। रॉयल कनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने रिपुदमन सिंह मलिक की हत्या के आरोप में दो लोगों को ब्रिटिश कोलंबिया के एब्ट्सफोर्ड से गिरफ्तार किया है। मलिक को 1985 के एअर इंडिया कनिष्क विमान आतंकवादी बम धमाके मामले में बरी कर दिया गया था, जिसमें 331 लोगों की जान गई थी। सिख समुदाय से संबंधित मलिक की 15 जुलाई को ब्रिटिश कोलंबिया के सर्रे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनिष्क विमान बम धमाके से जुड़े मामले में मलिक और सह-आरोपी अजायब सिंह बागरी को 2005 में आरोपमुक्त कर दिया गया था। रॉयल कनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने सर्रे में आयोजित एक प्रेस वार्ता में बताया कि ब्रिटिश कोलंबिया के एब्ट्सफोर्ड से 21 वर्षीय टैनर फॉक्स और न्यू वेस्टमिंस्टर के वैंकूवर उपनगर से 23 वर्षीय जोस लोपेज को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी, पुलिस ने केवल इतना बताया कि मलिक की हत्या के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी मनदीप मूकर ने कहा जांच और पुलिस की कुशलता से, इस हत्याकांड के संबंध में हमें दोनों संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने में सफलता मिली। पुलिस के पास इन दोनों के बारे में पहले से जानकारी थी। मलिक के बेटे जसप्रीत सिंह मलिक ने कहा कि उनके परिवार ने इस खबर पर मिली-जुली भावनाएं व्यक्त की हैं। जसप्रीत ने कहा जांच का नतीजा चाहे कुछ भी हो, हमने एक महान व्यक्ति खो दिया है। जसप्रीत ने कहा कि पुलिस ने परिवार को कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी है और वह इस विषय पर अटकलें नहीं लगाना चाहते कि उनके पिता को क्यों मारा गया।

जंग के बीच एक मैग्जीन के लिए जेलेंस्की ने पत्नी संग कराया फोटोशूट, लोगों ने गैरजिम्मेदाराना बताया

कीव। युद्धग्रस्त यूक्रेन बीते 5 माह से जंग लड़ रहा है। रूस के साथ उसकी सेनाएं लड़ रही हैं। देश में चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्का ने एक मैग्जीन के लिए एक फोटोशूट कराया है। एक तस्वीर में जेलेंस्की और उनकी पत्नी एक दूसरे के करीब बैठे दिख रहे हैं। वहीं एक अन्य तस्वीर में दोनों एक दूसरे का हाथ थामे हुए हैं। मैग्जीन ने यूक्रेन की पहली महिला की फोटो को बहादुरी की तस्वीर बताया है। एक अन्य फोटो में ओलेना सेना के क्षतिग्रस्त वाहन के साथ पोज दे रही हैं, वहीं एक फोटो में ओलेना एक बिल्डिंग की सीढ़ियों पर पोज दे रही हैं। मैग्जीन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, 'पत्रिका की विशेष डिजिटल कवर स्टोरी के लिए, यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और उनकी पत्नी ने युद्ध के समय में जीवन, उनकी शादी और साझा इतिहास और यूक्रेन के भविष्य के सपनों के बारे में बात की।' यूक्रेन के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का फोटो शूट लोगों को कुछ ज्यादा अच्छा नहीं लगा। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया। एक ट्विटर यूजर ने लिखा कि जब आप एक एक्टर को अपना राष्ट्रपति चुन लेते हैं तो युद्ध के समय भी उसकी प्रायोरिटी अलग ही होती हैं। वहीं एक अमेरिकी ने लिखा कि जब यूएस 60 बिलियन डॉलर की मदद दे रहा है तब ये फोटोशूट करा रहे हैं। कई लोगों ने इसे बेहद गैरजिम्मेदाराना बताया। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किया है। युद्ध को लगभग 155 दिन हो गए हैं। लगभग 7000 यूक्रेनी नागरिक मारे जा चुके हैं। यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में रूस का कब्जा है। डोनबास रीजन में रूस का हमला और भी तेज हो गया है। युद्ध के बीच एक नई डेवलपमेंट देखने को मिली है, जिसमें यूक्रेन ने तीन भारतीय लोगों को रूस का समर्थन करने के लिए ब्लैकलिस्ट किया है।

म्यांमार के चार कार्यकर्ताओं को फांसी दिए जाने की संरा सुरक्षा परिषद ने की कड़ी निंदा

जिनेवा। मानवाधिकारों को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद काफी सक्रिय है। परिषद ने म्यांमार द्वारा 4 राजनीतिक कैदियों को फांसी दिए जाने की सर्वसम्मति से निंदा की और उससे सभी प्रकार की हिंसा को तत्काल रोकने तथा 'मानवाधिकारों और कानून के राज का पूरा सम्मान' करने का आह्वान किया। सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्यों द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि चार राजनीतिक बंदियों को ऐसे वक्त में फांसी दी गई, जब दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) ने सजा पर पुनर्विचार करने की अपील की थी। परिषद के सदस्यों ने 'म्यांमार के लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता हस्तांतरण के लिए पूर्ण समर्थन और म्यांमार की संप्रभुत्ता, राजनीतिक स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता तथा म्यांमार की एकता के प्रति उनकी मजबूत प्रतिबद्धता को भी दोहराया।' गौरतलब है कि आसियान म्यांमा में शांति लाने के वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है। म्यांमार में फरवरी 2021 में निर्वाचित सरकार का सेना द्वारा तख्तापलट किए जाने के बाद से व्यापक पैमाने पर अराजकता का माहौल है। आसियान ने इस सप्ताह दी गई फांसी की इस सजा को 'अत्यधिक निंदात्मक' बताया और कहा कि इससे सैन्य नेतृत्व तथा विरोधियों के बीच संवाद के उसके प्रयासों को झटका लगा है। जिन चार लोगों को सप्ताहांत फांसी दी गयी हैं उनमें 'नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी' के पूर्व सांसद, एक लोकतंत्र समर्थक और एक महिला की हत्या करने के दो आरोपी शामिल हैं, जिसे वे कथित तौर पर सेना की मुखबिर मानते थे।

कनाडा के सिटाडेले में कनाडा के गवर्नर जनरल के निवास पर एक स्वागत समारोह के दौरान पोप फ्रांसिस का स्वागत करते प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो और कनाडा की गवर्नर जनरल मैरी साइमन।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का आरोप, न्यायपालिका उनकी सरकार के प्रति दोहरा रवैया अपना रही

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को न्यायपालिका पर निशाना साधते हुए कुछ न्यायाधीशों पर उनकी गठबंधन सरकार के प्रति ''दोहरा मापदंड'' अपनाने का आरोप लगाया। उच्चतम न्यायालय ने एक दिन पहले शहबाज शरीफ के बेटे हमजा शरीफ को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और सबसे अधिक आबादी वाले पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था, जिसके बाद उन्होंने यह टिप्पणी की। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को फैसला सुनाया था कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद (पीएमएल-क्यू) के नेता परवेज इलाही पंजाब के नए मुख्यमंत्री होंगे। इलाही (76) को अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी का समर्थन हासिल है। बुधवार तड़के उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसे प्रधानमंत्री शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। शहबाज शरीफ ने यहां नेशनल असेंबली के सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मैं न्यायपालिका का सम्मान करता हूं लेकिन नेशनल असेंबली में सच बोलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि लोग उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका न्याय को ध्यान में रखते हुए निर्णय करेगी और न्याय का मानक सभी के लिए समान होना चाहिए।

तानाशाह नेता किम ने अमेरिका को दी चेतावनी

बोला- तनाव में परमाणु हथियार का प्रयोग करने से एक इंच नहीं कतराएगा उत्तर कोरिया

सियोल। (एजेंसी)।

दुनिया के नियमों को ताक पर रखने वाला उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन हमेशा अपनी मनमानी करता आया हैं। जहां पूरी दुनिया पर्यावरण को बचाने के लिए कम से कम परमाणु शक्तियों का प्रयोग करने के नियम बना रही हैं वहीं वह लगातार परमाणु परीक्षण करके अपने देश के हथिहारों को बढ़ाए जा रहा है। उत्तर कोरिया में लोग भूख और बीमारी से मर रहे हैं लेकिन उनकी चिंता छोड़कर किन दुनिया के ताकतवर देशों को धमकाने पर लगा है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने चेतावनी दी कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ संभावित सैन्य संघर्षों में अपने परमाणु हथियारों का उपयोग करने के लिए तैयार हैं। राज्य मीडिया ने गुरुवार को कहा, क्योंकि उन्होंने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उग्र बयानबाजी की, उनका कहना है कि कोरियाई प्रायद्वीप को युद्ध के कगार पर धकेल रहे हैं।

किम जोंग ने दी अमेरिका के खिलाफ परमाणु बम प्रयोग करने की धमकी

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने धमकी दी है कि वह अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ संभावित सैन्य संघर्षों में अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। किम ने दावा है कि उनके प्रतिद्वंद्वी कोरियाई प्रायद्वीप को युद्ध की कगार पर धकेल रहे हैं। किम ने 1950-53 के कोरियाई युद्ध की समाप्ति की 69वीं वर्षगांठ पर पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस भाषण का उद्देश्य महामारी से संबंधित आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे देश में आंतरिक एकता को बढ़ावा देना है। कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के खिलाफ उत्तर कोरिया की धमकियां बढ़ सकती हैं, क्योंकि दोनों सहयोगी देश अपने सैन्य अभ्यास को विस्तार देने की योजना बना रहे हैं, जिसे उत्तर कोरिया आक्रमण के अभ्यास के तौर पर देखता है।

उत्तर कोरिया की परमाणु युद्ध क्षमता पूरी तरह तैयार

आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम ने बुधवार को भाषण में कहा, ''हमारे सशस्त्र बल किसी भी संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और हमारे देश की परमाणु युद्ध क्षमता भी पूरी तरह तैयार है।'' उन्होंने अमेरिका पर अपनी शत्रुतापूर्ण नीतियों को न्यायसंगत ठहराने के लिए उत्तर कोरिया की ''खराब तस्वीर पेश करने'' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यास अमेरिका के ''दोहरे मानदंड'' के प्रतीक हैं, क्योंकि वह उत्तर कोरिया की नियमित सैन्य गतिविधियों को उकसावे या धमकियों के तौर पर दिखाता है। दरअसल, वह उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों के संदर्भ में बात कर रहे थे। किम ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति यून सुक यिओल को ''उन्मादी'' बताया, जो पूर्व के दक्षिण कोरियाई नेताओं से भी आगे निकल गए हैं और कहा कि यून की रूढ़िवादी सरकार का नेतृत्व ''गुंडे'' कर रहे हैं।

राष्ट्रपति बाइडन संक्रमण मुक्त, 'कड़ा पृथकवास' समाप्त

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को की गई जांच में कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त पाये गए हैं। इससे पहले मंगलवार रात की गई जांच में भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई थी। बाइडन के डॉक्टर के हवाले से जारी पत्र में व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। संक्रमण मुक्त होने के बाद बाइडन ने ''कड़ा पृथकवास'' समाप्त कर दिया है। 79 वर्षीय बाइडन पिछले सप्ताह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। बाइडन ने अमेरिकियों से कहा, ''कोविड गया नहीं है।'' साथ ही लोगों से कहा कि कोविड-रोधी टीके की खुराक, बूस्टर खुराक और उपचार के जरिये गंभीर रूप से बीमार होने से बचा जा सकता है। संक्रमणमुक्त होने के बाद बाइडन ने बुधवार को व्हाइट हाउस के 'रोज गार्डन' में अपने संबोधन के दौरान जनता का आभार जताया और कहा, ''अब मुझे ओवल कार्यालय वापस जाना है।''

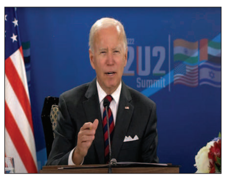

इससे पहले, डॉ केविन ओकोन्नोर ने कहा कि राष्ट्रपति ने उपचार की अवधि पूरी कर ली है और उनको बुखार नहीं है। उन्होंने कहा कि अब बाइडन में कोविड-19 बीमारी के कोई लक्षण नहीं हैं। व्हाइट हाउस के बयान जारी करने के कुछ देर बाद बाइडन ने ट्वीट किया, ''ओवल (कार्यालय) में वापसी।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ट्वीट के साथ कोविड-19 रैपिड जांच वाली फोटो साझा करते हुए परिणाम 'नेगेटिव' आने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि बाइडन 21 जुलाई को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। हालांकि, वह पृथकवास के दौरान ऑनलाइन माध्यम से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे।

भारत ने इराक के दोहुक में बमबारी की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत ने उत्तरी इराक में एक पर्वतीय रिजॉर्ट में हाल में हुई बमबारी की कड़ी निंदा की है और संयुक्त राष्ट्र से इराक की चिंताओं का हल निकालने को कहा है। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को इराक के विदेश मंत्री द्वारा जतायी गयी उन चिंताओं का समाधान निकालना चाहिए कि तुर्की की सेनाओं ने उनके देश की संप्रभुत्ता के खिलाफ 'खुला और घोर' हमला किया है। दोहुक में हमलों पर मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के उपराजदूत आर रवींद्र ने कहा कि इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में दोहुक गवर्नरेट के जाखो जिले में हाल में बमबारी की 'कड़ी' भारत कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा, 'सरकार तथा भारत के लोगों की ओर से, मैं इस हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' गौरतलब है कि इस हमले में नौ नागरिकों की मौत हो गयी और 33 अन्य घायल हो गए। रवींद्र ने कहा कि इराक क्षेत्र के भीतर इस तरह का हमला देश की संप्रभुत्ता पर 'स्पष्ट हमला' है। उन्होंने कहा कि एक असैन्य स्थान पर यह हमला अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन भी दर्शाता है। सोमवार को एक बयान में सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य देशों ने दोहुक हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और सभी देशों से इराक सरकार के साथ सक्रियता से सहयोग करने का अनुरोध किया।

यूएसएआईडी की प्रशासक सामंथा पावर ने श्रीलंका की मदद के लिए की भारत की सराहना, चीन को लेकर कही ये बात

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट की प्रमुख सामंथा पावर ने श्रीलंका को उसके आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए भारत की सराहना की है। यूएसएआईडी प्रमुख इस समय भारत के दो दिवसीय दौरे पर हैं। दिल्ली आईआईटी में एक कार्यक्रम में एक संबोधन में सामंथा पावर ने कहा कि चीन श्रीलंका के 'सबसे बड़े लेनदारों' में से एक बन गया है।

यूएसआईडी की प्रशासक सामंथा पावर ने कहा कि आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे श्रीलंका की भारत ने समय रहते मदद की है। उन्होंने कहा कि भारत ने जहां उपायों की एक महत्वपूर्ण सीरिज के साथ तेजी से प्रतिक्रिया दी है। वहीं चीन अहम राहत प्रदानकर्ता नहीं दिखा।

आपको बता दें की यूएसएआईडी वैश्विक स्तर पर सहायता करने वाली प्रमुख एजेंसियों में से एक हैं। सामंथा ने आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि चीन श्रीलंका के सबसे बड़े लेनदारों में से एक बन गया है। उन्होंने कहा कि चीन अक्सर दूसरे कर्ज देने वाले देशों या संस्थानों की तुलना में ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज की पेशकश करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने ऋण सुविधा के तहत श्रीलंका को 3.5 अरब डॉलर का कर्ज दिया है। साथ ही श्रीलंका की गिरती इकोनॉमी को समर्थन देने के लिए कई अन्य तरह से मदद की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि भारत ने मुश्किल समय में दुनिया के कई देशों की मदद की है। पावर 25 से 27 जुलाई तक भारत के दौरे पर आई थीं। अमेरिकी एजेंसी यूएसएआईडी वैश्विक स्तर पर सहायता करने वाली अग्रणी एजेंसियों में से एक है।

आपको बता दें कि श्रीलंका अब तक के सबसे गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। ये संकट मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा की कमी के चलते पैदा हुआ। जिसका मतलब है कि देश के सामने अन्य मुख्य खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान करने में बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। इस बीच पिछले दिनों गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़कर चले जाने और राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद रानिल विक्रमसिंघे श्रीलंका के नए राष्ट्रपति बने हैं। विक्रमसिंघे पर देश को आर्थिक बदहाली से निकालने की जिम्मेदारी है।

खोज ली चांद पर इंसानों के रहने लायक जगह, भविष्य में तैयार की जा सकती हैं मानव बस्तियां

वाशिंगटन (एजेंसी)।

बचपन में चांद पर रहने का सपना अब असल जिंदगी में संभव हो गया है। जी हां, अब इंसान चांद पर रह सकते है। बता दें कि चांद की सतह पर ऐसे गड्ढे मिले है जो कि इंसानों के रहने के लिए बिल्कुल सही है। ये गड्ढे इंसानों के रहने के लिए उचित तापमान में पाए गए है। इन्हें नासा के लूनर रीकॉन्सेंस ऑर्बिटर की मदद से खोजा गया है। इन गड्ढों के अंदर का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस है जो कि इंसान के रहने के लिए सक्षम है। अगर भविष्य में इन गड्ढों के अंदर बस्तियां बसाने का सोचा जाए तो ऐसा संभव हो जाएगा।

इन गड्ढों की खोज की रिसर्च रिपोर्ट जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स जर्नल में प्रकाशित की गई है। चांद पर रहने लायक इन गड्ढों को देख वैज्ञानिक भी काफी हैरान हैं। चांद पर पाए गए ये गड्ढे चंद्रमा के अन्य इलाकों के गड्ढों से बिल्कुल अलग हैं। आपको बता दें कि चांद पर तापमान इतना ज्यादा होता है कि धरती पर पानी उबल जाए और यहां एक दिन दो हफ्ते लंबा होता है। ऐसे में अगर इन गड्ढों का पता चलता है जो इंसानों के रहने के लायक है तो यह एक बड़ी बात है।

कहां मिले है यह गड्ढे

चांद पर इंसानों के रहने लायक यह गड्ढे मेयर ट्रांक्विलिटैटिस यानी सी ऑफ ट्रांक्विलिटी में मिले हैं और यह लगभग 328 फीट गहरे हैं। इनका तापमान चांद के अन्य गड्ढों के मुकाबले थोड़ा ही बदला हुआ है कोई ज्यादा अंतर नहीं है। नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के एलआरओ प्रोजेक्ट की साइंटिस्ट नोआ पेट्रो भी काफी हैरान है और उन्होंने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि अगर अनका तापमान लगातार स्थिर रहता है तो यहां इंसानों के लिए बस्तियां तैयार की जा सकती है। नोआ पेट्रो ने आगे बताया कि लूनर पिट्स की सबसे पहले खोज साल 2009 में की गई थी।

गड्ढे और पिट्स में क्या है अंतर

जानकारी के लिए बता दें कि पिट्स और गड्ढे एक दूसरे से बिल्कुल अलग होते हैं। गड्ढे जहां छिछले होते हैं वहीं पिट्स वर्टिकली सीधी गहराई वाले होते हैं। अगर इनमें जाने का रास्ता मिले तो अंदर एस्ट्रोनॉट्स अपने रहने की जगह का निर्माण कर सकते हैं जिससे सोलर रेडिएशन, घटते-बढ़ते तापमान और छोटे

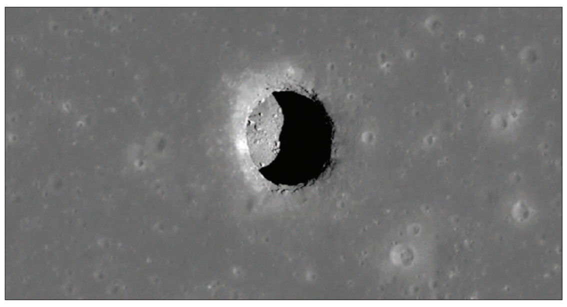

उल्कापिंडों के टकराने का खतरा खत्म हो जाता है। ये चांद की सतह से ज्यादा सुरक्षित होते हैं। भविष्य नें इन पिट्स जैसे गुफाओं में इंसानों को रहना पड़ सकता है जिसमें कोई दिक्कत की बात नहीं है क्योंकि इंसानों के पूर्वजों का जन्म स्थल पहले गुफा ही हुआ करता था। वहीं खाते और पीते थे। तो अगर सबकुछ सही रहा तो कुछ सालों में ही इंसान चांद पर रहने की ख्वाहिश देख पाएगा और वहां बस्तियां भी तैयार की जा पाएंगी।

सुविचार शुरुआत करने का तरीका है, कि बातें बंद करें और काम शुरू करें। - वाल्ट डिज्नी

संपादकीय

राष्ट्रपति नहीं, राष्ट्राध्यक्ष बोलें

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति की जगह 'राष्ट्रपत्नी' शब्द बोलकर तूफान-सा खड़ा कर लिया है। यह शब्द उन्होंने कल संसद के बाहर कहीं बोल दिया था। भाजपा के कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता देश में जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह नई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान है। इसे वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। संसद की कार्रवाई भी इस मुद्दे को लेकर ठप्प हो गई है। भाजपा के मंत्री और सांसद आग्रह कर रहे हैं कि अधीर रंजन संसद में माफी मांगे। अधीर रंजन का कहना है कि वे भाजपाइयों से माफी क्यों मांगें? कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि उन्होंने पहले ही राष्ट्रपति से माफी मांग ली है। उनकी जुबान फिसल जाने का उन्हें दुख है। वे बंगाली है। उन्हें हिंदी ठीक से नहीं आती। यह तर्क तो कमजोर है। क्या कोई बंगाली कह सकता है कि वह पति और पत्नी शब्दों में अंतर करना नहीं जानता? वैसे अधीर रंजन इस तरह की गल्तियां करने के लिए पहले से जाने जाते हैं। उन्होंने नरेंद्र मोदी को एक बार 'गंदी नाली' की उपमा दे दी थी। उन्होंने कश्मीर को भारत का सिर्फ भौगोलिक हिस्सा बता दिया था। उन्होंने पं. बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ को 'पागल' तक कह दिया था। उम्मीद है कि भाजपाइयों का यह क्रोध-प्रदर्शन उन्हें अब अधीर रंजन से सुधीर रंजन बना देगा। लेकिन इस विवाद ने मेरी एक पुरानी दुखती रग पर उंगली रख दी है। पचासों वर्षों पहले मैं सोचता रहता था कि यदि कोई महिला हमारे देश के इस सर्वोच्च पद पर पहुंचेगी तो क्या उसे भी हम 'राष्ट्रपति' ही कहेंगे? तब मुझे लगता था कि इस शब्द का कोई विकल्प ढूंढना चाहिए वरना बड़ी हास्यास्पद स्थिति पैदा हो जाएगी। तब मेरे दिमाग में जो वैकल्पिक शब्द आया, वह था- राष्ट्राध्यक्ष! यदि कोई महिला इस पद पर चुनी गई तो उसे हम 'राष्ट्राध्यक्षा' आसानी से कह सकते हैं। लेकिन अपना देश तो अंग्रेजी का गुलाम है। उसमें 'प्रेजिडेंट' शब्द का प्रयोग किसी भी महिला या पुरुष या दोनों के लिए हो सकता है तो अंग्रेजी के 'प्रेजिडेंट' का हिंदी अनुवाद 'राष्ट्रपति' भी दोनों पर थोपा जा सकता है। मेरी राय में यह गलत है। 'राष्ट्रपत्नी' शब्द को आपत्तिजनक बताकर हम क्या भारत के महिला समाज का अपमान नहीं कर रहे हैं? लेकिन इस प्रश्न का उचित समाधान यही है कि हम पति और पत्नी के दलदल में न फंसें और राष्ट्रपति और राष्ट्रपत्नी के बजाय राष्ट्राध्यक्ष और राष्ट्राध्यक्षा शब्दों का प्रयोग करें। यही प्रयोग लोकसभा और राज्यसभा के अध्यक्षों और अध्यक्षाओं के लिए भी हो सकता है, हालांकि पति शब्द ऐसा नहीं है कि उसका उपयोग सिर्फ पत्नी के विलोम के रूप में ही इस्तेमाल किया जाए।

आज के कार्टुन

समान न्याय

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बन्द हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गयी है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

कितनी महत्वपूर्ण है भारत के लिए एस-400 डील?

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

पिछले सप्ताह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने भारत को रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए काटसा प्रतिबंधों से खास छूट दिलाने वाले एक संशोधित विधेयक को पारित कर दिया, जिसके बाद भारत अब रूस से बिना किसी रोक-टोक के एस-400 मिसाइल सिस्टम खरीद सकेगा। दरअसल 2017 में बने अमेरिकी कानून 'काटसा' के अनुसार यदि रूस, उत्तरी कोरिया अथवा ईरान के साथ कोई भी देश रक्षा या जासूसी संबंधी कोई डील करता है तो उसे अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना होगा लेकिन भारत को इससे छूट दिया जाना निश्चित रूप से भारतीय कूटनीति की बड़ी सफलता है। वैसे भारत इस मामले में सख्त रूख अपनाते हुए सदैव यही कहता आया है कि रूस से इस महत्वपूर्ण रक्षा सौदे को लेकर वह किसी भी तरह के बाहरी दबाव में नहीं आएगा और रक्षा खरीद में राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को प्राथमिकता दी जाएगी। अब प्रश्न यह है कि भारत के लिए रूस से एस-400 की यह डील आखिर इतनी महत्वपूर्ण क्यों है? दरअसल चीन, पाकिस्तान तथा अन्य दुश्मन पड़ोसी देशों से निपटने के लिए भारत को इस रक्षा प्रणाली की सख्त जरूरत है। एस-400 प्रणाली को भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल करने के लिए रूस के साथ महत्वपूर्ण करार होने के बाद तत्कालीन वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल बीएस धनोआ ने कहा था कि एस-400 तथा राफेल विमान वायुसेना के लिए 'बूस्टर खुराक' होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 2018 में हुई शिखर बैठक के दौरान भारतीय वायुसेना को ताकत प्रदान करने के लिए करीब 5.43 अरब डॉलर में एस-400 एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल रक्षा प्रणाली की पांच इकाईयां खरीदने का करार हुआ था। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक एस-400 के वायुसेना में शामिल होने के बाद भारत जमीन की लड़ाई भी आसमान से ही लड़ने में सक्षम हो जाएगा। मल्टीफंक्शन रडार से लैस दुश्मन की बर्बादी का ब्रह्मास्त्र मानी जाने वाली एस-400 दुनियाभर में सर्वाधिक उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों में से एक है, जो रूसी सेना में 2007 में सम्मिलित हुई थी। यह ऐसी प्रणाली है, जिसके रडार में आने के बाद दुश्मन का बच पाना असंभव हो जाता है। इसके हमले के सामने भागना तो दूर, संभलना भी मुश्किल होता है। कुछ रक्षा विशेषज्ञ इसे जमीन पर तैनात ऐसी आर्मी भी कहते हैं, जो पलक झपकते ही सैकड़ों फीट ऊपर आसमान में ही दुश्मनों की कब्र बना सकती है। यह एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तीन तरह की अलग-अलग मिसाइल दाग सकता है और इसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी आसानी से पहुंचाया जा सकता है। यही नहीं, नौसेना के मोबाइल प्लेटफॉर्म से भी इसे दागा जा सकता है।

चीन रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने वाला पहला देश था। भारत के लिए रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली हासिल करना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि देश के लिए सबसे बड़ा खतरा बनते पड़ोसी देश चीन ने रूस से 2014 में ही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीद ली थी, इसलिए 3488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा की सुरक्षा के मद्देनजर एस-400 रक्षा प्रणाली हासिल करना और अपनी रक्षा प्रणाली को मजबूत करते हुए वायुसेना की ताकत बढ़ाना भारत के लिए बेहद जरूरी हो गया है। यह प्रणाली जमीन से मिसाइल दागकर हवा में ही दुश्मन की ओर से आ रही मिसाइलों को नष्ट करने में सक्षम है। यह एक साथ 36 लक्ष्यों और दो लॉन्चरों से आने वाली मिसाइलों पर निशाना साध सकती है और 17 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक अपने लक्ष्य पर हमला कर सकती है। एस-400 में मिसाइल दागने की क्षमता पहले से ढ़ाई गुना ज्यादा है। यह कम दूरी से लेकर लंबी दूरी तक मंडरा रहे किसी भी एरियल टारगेट को पलक झपकते ही हवा में ही नष्ट कर सकती है। यह मिसाइल प्रणाली पहले अपने टारगेट को स्पॉट कर उसे पहचानती है, उसके बाद मिसाइल सिस्टम उसे मॉनीटर करना शुरू कर देता है और उसकी लोकेशन ट्रैक करता है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक इस मिसाइल प्रणाली को अगर आसमान में फुटबॉल के आकार की भी कोई चीज मंडराती हुई दिखाई दे तो यह उसे भी डिटेक्ट कर नष्ट कर सकती है।

एस-400 रक्षा प्रणाली को केवल पांच मिनट में ही युद्ध के लिए तैयार किया जा सकता है। 600 किलोमीटर की दूरी तक निगरानी करने की क्षमता से लैस एस-400 की मदद से भारत के लिए पाकिस्तान के चप्पे-चप्पे पर नजर रखना भी संभव हो सकेगा। यह किसी भी प्रकार के विमान, ड्रोन, बैलिस्टिक व क्रूज मिसाइल तथा जमीनी ठिकानों को 400 किलोमीटर की दूरी तक ध्वस्त करने में सक्षम है। इसके जरिये भारतीय वायुसेना देश के लिए खतरा बनने वाली मिसाइलों की पहचान कर उन्हें हवा में ही नष्ट कर सकेगी। भारत की रक्षा जरूरतों की बात करें तो भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीदार देशों में से एक है, जो हथियार और रक्षा उपकरण सबसे ज्यादा रूस से ही खरीदता रहा है। कभी भारत की करीब 80 फीसदी रक्षा जरूरतें रूस से ही पूरी होती थी किन्तु वक्त की मांग के अनुरूप भारत ने अमेरिका, फ्रांस और इजरायल के साथ भी कई बड़े रक्षा समझौते किए लेकिन फिर भी करीब 58 फीसदी रक्षा सौदे भारत आज भी रूस के साथ ही करता है। अगर 2013 से 2017 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि दुनियाभर में हथियारों का करीब 12 फीसदी आयात भारत में ही हुआ, जो अन्य देशों के मुकाबले सर्वाधिक था। वैसे हथियारों के उत्पादन की भारत की 'मेक इन इंडिया' मुहिम में भी रूस भारत का बहुत बड़ा मददगार साबित हो रहा है। मेक इन इंडिया सैन्य प्रोजेक्ट के तहत रूस के पास 12 अरब डॉलर की परियोजनाएं हैं। इसके अलावा सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक करीब 25 अरब डॉलर के हथियारों की खरीद और होने के आसार हैं। बहरहाल, रूस से एस-400 की आपूर्ति की राह में जिन अमेरिकी प्रतिबंधों के भारत पर थोपे जाने की आशंका लंबे समय से मंडरा रही थी, भारत के कड़े रूख और सफल विदेश नीति के चलते उस बाधा का दूर होना निश्चित रूप से भारत के लिए राहत की बड़ी बात है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के लोकप्रिय विश्लेषक हैं)

भारत में बढ़ती कुंवारेपन की चाहत?

(लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल)

जिंदगी में सात फेरों का सपना हर युवा देखता है। विवाह जीवन की आत्मअनुभूति और आनंद है। विवाह सृष्टि संरचना का मूल आधार भी है। हर युवा बग्गी में सवार होकर ससुराल जाना चाहता है। युवतियां भी सपनों के राजकुमार के संग सात फेरे लेने को बेताब दिखती हैं। दुनिया के हर युवा का सपना होता है कि उसे एक सुंदर पत्नी और एक अच्छा पति मिले। लेकिन क्या बदलते परिवेश में यह सब बदल रहा है। बदलती परिस्थितियों का प्रभाव क्या युवाओं के जीवन पर पड़ रहा है। अगर यह सच है तो आने वाले भविष्य के लिए यह संकेत अच्छे नहीं हैं। भारत सरकार के सांख्यिकी विभाग की तरफ से जारी की गई एक सर्वे रिपोर्ट में युवाओं से जुड़े कुछ तथ्य चौंकाने वाले हैं। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि देश की युवापीढ़ी में विवाह को लेकर रुचि घट रहीं है। आज का युवा अविवाहित रहना पसंद करता है। वह बंधन मुक्त जीवन जीने का आनंद लेना चाहता है। आखिर ऐसा क्यों। भारत में विवाह योग्य अविवाहित युवाओं की आबादी 23 फीसदी तक पहुंच गयी है। इस सर्वे में बताया गया है कि जिनकी उम्र 15 से 29 साल की है वह अविवाहित हैं।जबकि साल 2011 में यह आंकड़ा 17.2 फीसदी पर था। साल 2014 में घोषित युवा नीति में 15 से 29 साल के मध्य के लोगों को युवा माना गया है। भारत में ऐसे युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है जो अविवाहित रहना पसंद करते हैं। साल 2011 में इस प्रकार के पुरुष 20.8 प्रतिशत रहे जबकि 2019 में बढ़कर 26.1 फीसद हो गए। यह दशा सिर्फ पुरुषों कि नहीं महिलाओं में भी बढ़ रहीं है। यह बेहद चिंता का विषय है। साल 2011 में अविवाहित महिलाओं की आबादी 13.5 फीसद थीं जो साल 2019 में पढ़ कर तकरीबन 20 फिसदी हो गई। हमारी हमारी सामाजिक व्यवस्था के लिए या बेहद चिंतनीय पहलू है। ऐसे हालात में सामाजिक संतुलन बिगड़ सकता है। सर्वे रिपोर्ट में कुछ और चौंकाने वाले खुलासे आए हैं। जिसमें कहा गया है कि साल 2036 तक भारत में यह स्थति और बिगड़ेगी। वर्ष 1991 में देश में 22. 27 करोड़ युवा आबादी रहीं जो साल 2011 में बढ़कर 33.34 करोड़ हो गई। साल 2021 तक 37.14 करोड़ होने की उम्मीद जताई गयी थी। हालांकि यह भी आशंका प्रगट की गयी है कि साल 2036 तक यह 34.55 फीसदी पर पहुंच जाएगी। भारत की एक सैकड़ा आबादी में सिर्फ 23 युवा होंगे जबकि 15 बुजुर्ग होंगे। वर्तमान समय में यह स्थित 27 युवा और 10 बुजुर्गों की है। सबसे अधिक जम्मू कश्मीर में अविवाहित युवकों की संख्या बढ़ रहीं है। साल 2019 में जम्मू कश्मीर में सबसे कम युवाओं ने शादी की। इसके बाद उत्तर प्रदेश,दिल्ली और पंजाब में इस तरह के हालात हैं। जबकि हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में हालात ठीक हैं। यहाँ अविवाहित युवाओं की संख्या बेहद कम है।

सर्वे में एक सुखद बात सामने आयी है कि कम उम्र में होने वाली शादियों में गिरावट दर्ज की गयी है। नाबालिग उम्र में होने वाली शादियों में 50 फिसदी की कमी आयी है। इसी तरह कम उम्र में मां बनने के मामले में भी कमी देखी गई है। साल 2005-06 के बीच किशोरावस्था में गर्भधारण करने वाली किशोरियों की संख्या 16 प्रतिशत रहीं जबकि साल 2019-2021 के बीच घट कर यह सात फीसदी पर आ गयी। शिक्षा के प्रचार और प्रभाव की वजह से महिलाओं में शादी की उम्र भी तेजी से वृद्धि दिखती है।साल 2019-21 में 25 से 29 उम्र वाली महिलाओं का विवाह 20 साल की उम्र में हुआ। यह संपूर्ण विवाह 52 फीसदी से भी अधिक है। जबकि इसी साल 25 के उम्र वाले 43 फीसदी पुरुषों ने अपनी शादी रचायी। वहीं महिलाओं यह संख्या तकरीबन 83 प्रतिशत थी। महिलाओं में इस बदलाव के मुख्य वजह शिक्षा का बढ़ता असर माना जा रहा है। क्योंकि जब समाज शिक्षित होगा तो उसके विचारों में बदलाव आएगा और वह बदलती परिस्थितियों में अपने को खुद समायोजित कर सकती हैं।समाज को बदलने में महिलाओं की विशेष भूमिका है। प्रश्न यह है कि भारत जैसे सामाजिक संरचना वाले देश के लिए क्या यह संकेत अच्छे हैं। जब युवा जोड़े शादी नहीं करेंगे तो हमें एक कुशल और युवा आबादी कहाँ से मिलेगी। इसका असर दूरगामी होगा। कौशल विकास में कमी आएगी। समाज में वृद्धों की संख्या तेजी से बढ़ेगी। कार्यशील जनसंख्या में बेहद कमी हो जाएगी। अकुशल मानव श्रम के अभाव में पूंजी निवेश पर भी पूरा प्रभाव पड़ेगा। आने वाले दिनों में हमारी अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है जिसका खामियाजा पूरी आबादी को भुगतना पड़ेगा। हालांकि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि अविवाहित युवाओं की संख्या क्यों बढ़ रही है। इसके मूल कारण क्या है। क्यों युवा शादी नहीं करना चाह रहा है।सरकार के सामने जब यह तथ्य आए हैं तो सरकार को भी इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इस विषय पर रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए कि भारत का युवा वैवाहिक संबंधों से छुटकारा क्यों पाना चाहता है। देश में बेरोजगारी तेजी से बढ़ रहीं है। मध्यमवर्गीय परिवारों की क्रय शक्ति कम हो रहीं है। अर्थव्यवस्था में गिरावट का प्रभाव पूरी तरह सामान्य परिवारों पर देखा जा सकता है। मध्यवर्गीय परिवारों की सारी उम्मीद युवाओं पर रहती है। लेकिन आज के परिवेश में मध्यमवर्गीय परिवार का युवा बेरोजगार है उसके लिए कोई रोजी-रोजगार उपलब्ध नहीं है। उसकी आर्थिक गतिविधियां ठप हैं। आर्थिक स्वावलंबन इसकी मुख्य वजह हो सकती है। बदले परिवेश और वातावरण का प्रभाव युवाओं की मानसिक स्थितियों पर भी पड़ रहा है। इसके अलावा दूसरे सामाजिक कारण भी हैं जिसकी वजह आज का युवा परेशान एवं दिग्भ्रमित है। सरकार को इस विषय पर रिपोर्ट तैयार करानी चाहिए। वक्त रहते युवाओं की मानसिकता में बदलाव लाना चाहिए। अगर यह स्थिति नहीं बदली तो आने वाला भविष्य हमारे लिए विषम स्थिति खड़ा करेगा।

(स्वतंत्र लेखक और पत्रकार)

सू-दोकू नवताल -2176

	9			2		4		6
5	4		9			7	1	
8		1		7				2
	8	9	1					7
		3		8		5		
6					7	2	3	
9		4		1		8		5
	5	6			9		2	4
1				4			7	

सू-दोकू -2175 का हल

8	7	6	4	9	2	5	3	1
9	1	4	5	7	3	2	8	6
2	3	5	6	1	8	9	7	4
1	8	9	2	5	7	6	4	3
5	6	2	1	3	4	7	9	8
7	4	3	9	8	6	1	2	5
4	5	7	8	6	9	3	1	2
3	2	1	7	4	5	8	6	9
6	9	8	3	2	1	4	5	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2176

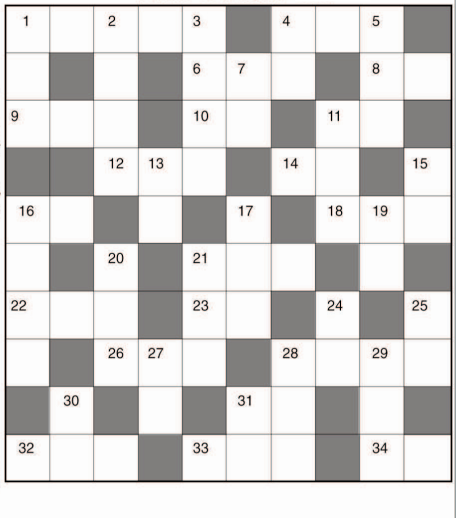

बायें से दायें:-

1. फिल्म 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजय दत्त के साथ नायिका कौन थी-2,3
4. बॉबी देओल, करिश्मा कपूर की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-3
6. अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
8. मोहित अहलावत, निशा कोठारी की 'कैसे कहें तम्हें कैसे कहें' गीत वाली फिल्म-2
9. सैफअली खान,काजोल की फिल्म-3
10. फिल्म 'विक्टोरिया नं.203' में ओम पुरी के किरदार का नाम-2
11. शाहरुख, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय, प्रिया गिल की फिल्म-2
12. किरण झंजानी, गणेश यादव, प्रीति झंगियानी, ईशा कोप्पिकर, तारा शर्मा की 'मेहंदी लाया साजन मेरा' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'घातक' में सनी देओल के किरदार का नाम-2
16. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-2
18. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-3
21. देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-3
22. 'सात सहेलियां खड़ी खड़ी' गीत वाली फिल्म-3
23. गोविंदा, सोनम की 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली फिल्म-2
26. बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, उर्वशी शर्मा की फिल्म-3
28. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होंठों पे' गीतवाली फिल्म-4
31. मिथुन, स्वाति, मानवी गोस्वामी की फिल्म-2
32. अजय देवगन, आयशा टाकिया की फिल्म-3
33. राजेंद्र कुमार, कामिनी कदम की 'हाथों में किताब है' गीत वाली फिल्म-3
34. फिल्म 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी-2

ऊपर से नीचे:-

1. शाहिद कपूर, अमृता राव की 'मिलन अभी अधूरा है' गीत वाली फिल्म-3
2. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली शाहरुख खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-4
3. राजेश खन्ना, श्रीदेवी, स्मिता पाटिल की 'इससे पहले कि याद तू आए' गीत वाली फिल्म-4
4. 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली दिलीप कुमार, निम्मी की फिल्म-2
5. परदेसी अनजाने से लगते हैं' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही के किरदार का नाम-2
11. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी,मीनाक्षी की फिल्म-3
13. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-2
15. शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
16. 'धीरे धीरे इस दिल का' गीत वाली शाहिद कपूर और अमृता राव की फिल्म-2,2
17. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
19. दिलीपकुमार, रेखा,ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
20. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
21. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी गली में' गीत वाली भारतभूषण, नूतन की फिल्म-3
24. ऋतिक रोशन, करिश्मा कपूर, नेहा की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-2
25. 'ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी ले लो' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-2
27. अजय, जॉन, विवेक, लारा, एशा देओल की 'तौबा तौबा इश्क' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जीवन भर ढूंढ़ा जिस को' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3
29. 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीतवाली फिल्म-3
30. सनी देओल, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
31. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2175

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).

कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती

सोने-चांदी में लौटी चमक, सोने में आई 592 रुपये की तेजी

नई दिल्ली . भारतीय सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी में चमक लौट आई। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने की कीमत में 592 रुपये की तेजी आई। वहीं, चांदी की कीमतों में गुरुवार को 1335 रुपये की उछाल दर्ज हुई। दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने के दाम 592 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी के साथ 51,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुए। जबकि पिछले कारोबारी सत्र के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 51,158 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी के दाम 1,335 रुपये की तेजी के बाद 56,937 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुए। पिछले कारोबारी सत्र के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 55,602 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी।

केरल सरकार त्रावणकोर सीमेंट्स की वित्तीय सहायता करेगी

तिरुवनंतपुरम । केरल सरकार ने नकदी संकट का सामना कर रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम त्रावणकोर सीमेंट्स लिमिटेड को आपात वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। राज्य के उद्योग मंत्री पी राजीव द्वारा बुलाई गई उच्च स्तरीय बैठक में इस बाबत फैसला हुआ। मंत्री ने कहा कि कंपनी के समक्ष कार्यशील पूंजी का जो संकट है उससे उसे उबारने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। इसके अलावा, 2010 से कंपनी का जो बकाया है उसके निपटान के लिए राजस्व मंत्री के तहत मंत्री स्तरीय बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि देनदारियों के निपटान के लिए कंपनी की कोच्चि स्थित संपत्तियों की बिक्री के बारे में भी जल्द ही निर्णय लिया जाएगा।

होंडा ने शुरु किया ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड को एसपी125 बाइक निर्यात

नई दिल्ली । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को अपनी 125सीसी की मोटरसाइकिल एसपी125 का निर्यात शुरू करने की घोषणा की है। एचएमएसआई ने कहा कि दोनों बाजारों में मोटरसाइकिल की लगभग 250 इकाइयां भेज दी गई हैं। इन बाजारों में मोटरसाइकिल को सीबी125एफ के रूप में बेचा जाएगा। इस मोटरसाइकिल का विनिर्माण वर्तमान में राजस्थान के अलवर में एचएमएसआई के टपूकड़ा संयंत्र में किया जा रहा है। एचएमएसआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह एचएमएसआई की भारत में उत्पादन क्षमता के विस्तार की दीर्घावधि की योजना की दिशा में कदम है। एचएमएसआई ने वर्ष 2001 में अपने मॉडल एक्टिवा के साथ भारत से निर्यात शुरू किया था। वर्तमान में कंपनी अपने 19 दोपहिया मॉडलों का 38 बाजारों में निर्यात करती है।

सरकार बॉक्साइट मूल्य निर्धारण ढांचा बदलेगी

नई दिल्ली । सरकार धातुशोधन श्रेणी के बॉक्साइट के औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) को तय करने के लिए कीमत-निर्धारण संरचना में बदलाव करने का तैयारी कर रही है। फिलहाल राज्य सरकारें बॉक्साइट की मौजूदा खदानों की नीलामी कर पाने में नाकाम साबित हुई हैं। इसकी वजह यह है कि निजी कंपनियों को इस धातु का बिक्री मूल्य व्यवहार्य नहीं लगता है। बॉक्साइट एल्युमिनियम निर्माण में इस्तेमाल होने वाला प्रमुख अयस्क है। लिहाजा एल्युमिनियम उत्पादकों के लिए एक कच्चे माल के तौर पर बॉक्साइट की जरूरत रहती है। सरकार इस क्षेत्र में निजी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए मूल्य-निर्धारण ढांचे को बदलने की सोच रही है। खान मंत्रालय की तरफ से जारी एक आधिकारिक पत्र के मुताबिक, बॉक्साइट की मूल्य गणना के तरीके में बदलाव खनन कानून में संशोधन कर किया जाएगा। इसके लिए खान मंत्रालय ने सुझाव भी आमंत्रित किए हैं। कई कंपनियों और उद्योग संगठनों ने धातु श्रेणी के बॉक्साइट का एएसपी तय करने के लिए कीमत-निर्धारण ढांचे में बदलाव की मांग की थी। उनका कहना है कि मौजूदा संरचना के आधार पर तय होने वाला मूल्य बॉक्साइट की असली कीमत से बहुत अधिक होता है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 14 बॉक्साइट खदानों के लिए निविदा जारी की है।

लगातार दूसरे दिन हरे निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 1,041 अंक का उछाला

मुंबई।

शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन तेजी दिखाई दी। बीएसई सेंसेक्स में 1,041 अंक का उछाल आया। वैश्विक बाजारों के मिले-जुले रुख के बीच बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भारी लिवाली से बाजार में मजबूती आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 1,041.47 अंक की मजबूती के साथ 56,857.79 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,097.9 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 287.80 अंक उछलकर 16,929.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस सबसे अधिक 10.68 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। वहीं बजाज फिनसर्व में भी 10.14 प्रतिशत की तेजी रही। जून तिमाही के वित्तीय परिणाम आने के बाद इन कंपनियों के शेयर चढ़े। हरे निशान पर बंद होने वाले अन्य शेयरों में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और नेस्ले शामिल हैं। दूसरी तरफ भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, डॉ. रेड्डीज, आईटीसी और सन फार्मा में गिरावट रही। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और जापान का निक्की बढ़त में रहे, जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। बाजार जानकार ने कहा, फेडरल रिजर्व के ब्याज दर बढ़ाने के निर्णय के बाद वैश्विक बाजारों में तेजी के रुख तथा घरेलू बाजार में बड़ी कंपनियों के तिमाही परिणाम बेहतर रहने से बाजार को समर्थन मिला। उन्होंने कहा, ''फेडरल रिजर्व का निर्णय अपेक्षा के अनुरूप है। साथ ही उसकी सकारात्मक टिप्पणी से मंदी की आशंका कम हुई है। उन्होंने आने वाले महीनों में धीमी गति से नीतिगत दर में वृद्धि का संकेत दिया है। इससे वैश्विक धारणा को बल मिला।'' इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.36 प्रतिशत चढ़कर 108.1 डॉलर प्रति बैरल पर पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे।

रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ 79.65 प्रति डॉलर पर

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार में मजबूत रुख के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ 79.65 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.80 पर खुला और कारोबार के अंत में 26 पैसे की तेजी के साथ 79.65 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बुधवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ 79.91 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत बढ़कर 106.58 हो गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.37 प्रतिशत बढ़कर 108.08 डॉलर प्रति बैरल हो गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,041.47 अंक की तेजी के साथ 56,857.79 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय बाजार से निकासी जारी है। उन्होंने बुधवार को 436.81 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ई-इन्वॉइस से छूट दिए जाने को लेकर कोई प्रस्ताव नहीं: वित्तमंत्री

नई दिल्ली ।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि वर्तमान में जीएसटी के तहत ई-इन्वॉइस पर छूट देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इससे पहले सरकार से पूछा गया था कि क्या कारोबारियों को ई-इन्वॉइस से छूट दिए जाने का विचार चल रहा है। चालू वित्तवर्ष के लिए 20 करोड़ रुपए से ज्यादा के सालाना टर्नओवर वाले कारोबारियों के लिए ई-इन्वॉइस को जरूरी बनाया गया है। यह नियम 1 अप्रैल, 2022 से लागू हुआ है। जीएसटी नेटवर्क यानी जीएसटीएन ने कॉमन जीएसटी पोर्टल पर सभी बिजनेस टू बिजनेस इन्वॉइस को अपडेट करना जरूरी बना दिया है। यह सिस्टम एक पोर्टल से जीएसटी पोर्टल और ई-वे बिल पोर्टल पर रियल टाइम में डाटा भेजता है। ऐसे में ई-बिल निकालने या जीएसटीआर-1 रिटर्न भरने में अलग से डाटा फीड करने की जरूरत नहीं होती है। इस सिस्टम की मदद से बिल के मिसमैच होने की घटनाओं पर रोक लगी है और कारोबारियों के लिए रिटर्न भरना व इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम करना आसान हो गया है। इसके अलावा कर अधिकारियों की ओर से ऑडिट या सर्वे किए जाने की आशंकाओं को भी ई-इन्वॉइसिंग सिस्टम ने खत्म कर दिया है, क्योंकि यहां सभी आंकड़े और जानकारियां ट्रांजेक्शन लेवल पर ही उपलब्ध हो जाते हैं। मामले से जुडे एक अधिकारी का कहना है कि सरकार अगले साल से जीएसटी पर ई-इन्वॉइस सिस्टम को सालाना 5 करोड़ से ज्यादा के टर्नओवर वाले कारोबारियों के लिए भी अनिवार्य बनाने जा रही है। इससे पहले यह 500 करोड़ के टर्नओवर पर था, जिसे घटाकर 100 करोड़ और फिर 50 करोड़ तक लाया गया था। चालू वित्तवर्ष में इसे घटाकर 20 करोड़ रुपए सालाना टर्नओवर कर दिया गया।

भारत में लॉन्च होगी रेनो की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी, डस्टर से कम होगी कीमत

नई दिल्ली ।

कंपनी रेनो सीएमएफ-बी प्लेटफॉर्म पर एक नई एसयूवी और साओ जोस डोज पिनहाईस (पीआर) में एक नया 1.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन पर काम कर रही है। एक नए मॉडल को ब्राजील में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। एक रिपोर्ट के मानें तो यह मूल रूप से डेसिया स्टैपवे है, जिसका उपयोग नई एसयूवी के टेस्टिंग के रूप में किया जाता है। मूल एसयूवी पूरी तरह से अलग मॉडल होगा और ब्राजील और भारत जैसे उभरते बाजारों में उतारी जाएगा। कंपनी ने डेसिया स्टैपवे को इसलिए चुना है, क्योंकि इसके आयाम भविष्य की एसयूवी के काफी करीब हैं। सीएमएफ-बी प्लेटफॉर्म पर आधारित होने के लिए नई एसयूवी फिएट पल्स और भविष्य की वोक्सवैगन कॉम्पैक्ट एसयूवी को टक्कर देगी। वाहन में यूनिक स्टाइल होगी, लेकिन इसमें स्टेपवे और डस्टर की तरह कई समानताएं देखने को मिलेंगी। स्पॉटेड मॉडल का उपयोग सस्पेंशन कॉम्पोनेंट और बेस कन्स्ट्रक्शन की टेस्टिंग करने के लिए किया गया था। अगर रिपोर्टों पर विश्वास किया जाए तो रनो का लक्ष्य नए मॉडल क्लियो का नाम रखना होगा। नया मॉडल रेनो संडेरो का सक्सेसर हो सकता है। कंपनी डेसिया स्टैपवे के साथ 1.0एल टर्बो इंजन की भी टेस्टिंग कर रही है। इसे टीसीई 90 कहा जाता है, इंजन 1.0 3-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन का डेरीवेटिव है। यह एक डारेक्ट इजेक्शन यूनिट नहीं होगी, लेकिन इसमें एग्जॉस्ट कंट्रोल, लो इनरटिया टर्बो, वेरिएबल ऑयल पंप, पिस्टन और लाइनर पर कोटिंग होगी।यूरोप में 1.0 टीसीई 90 इंजन 91बीएचपी और 160 एनएम का टार्क पैदा करता है। इंजन को हाई पावर आउटपुट के लिए ट्यून किया जाएगा। शेवरले में बिना सीधे इंजेक्शन के 1.0 लीटर टर्बो इंजन लगा है। यह इंजन 116बीएचपी की पावर और 160 एनएम का टार्क जनरेट करता है। नई रिनो कॉम्पैक्ट एसयूवी को कथित तौर पर 2023 में लॉन्च किया जाना है। यह मौजूदा सैंडेरो और स्टेपवे की जगह लेगी और डस्टर से छोटी होगी। कंपनी थर्ड जनरेशन डस्टर एसयूवी पर भी काम कर रही है, जो रेनो-निसान एलायंस के सीएमएफ-बी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। नया मॉडल कथित तौर पर 2024 में लॉन्च किया जाना है। इसकी स्टाइलिंग बिगस्टर कॉन्सेप्ट की तरह होगी, जिसे 2025 में 7-सीटर एसयूवी के रूप में भी लॉन्च किया जाएगा।

31 जुलाई से पहले निपटा लें पांच जरूरी काम, नहीं तो होगी परेशानी

नई दिल्ली ।

यदि आप भी चाहते हैं कि 31 जुलाई के बाद आपको कोई परेशानी न हो तो आपको पांच महत्वपूर्ण कार्य 31 जुलाई से पहले निपटा लेना चाहिए। इन पांच कामों में पीएम किसान योजना के लिए ई-केवायसी कराना, सब्सिडी पर इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदना, गैस सिलेंडर बुक करना, अंत्योदय राशन कार्ड धारकों का गैस कनेक्शन कार्ड से लिंक कराना और इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना शामिल हैं। आयकर रिटर्न- इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। यदि आप इस दिन तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल नहीं करेंगे तो आपको बाद में फाइन के साथ इसे फाइल करना होगा। सरकार ने आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा में कोई एक्सटेंशन अभी तक नहीं दी है। समय सीमा के बाद आईटीआर भरने वाले लोगों को जुर्माने के रूप में 5,000 रुपए का भुगतान करना होगा। जुर्माना लेट फीस के रूप में लिया जाता है। यदि एक व्यक्ति की कुल आय 5 लाख रुपए से अधिक नहीं है, तो जुर्माना 1,000 रुपए है. पीएम किसान योजना में ई-केवायसी- यदि आप किसान हैं और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थी भी हैं तो आपको तुरंत ई-केवायसी करा लेनी चाहिए। इसकी अंतिम तारीख भी 31 जुलाई है। जो किसान ई-केवायसी नहीं करवा पाएंगे, उन्हें 12वीं किस्त से वंचित रहना पड़ेगा।

इलेक्ट्रिक व्हीकल पर सब्सिडी- अगर आप इलेक्ट्रिक व्हीकल सब्सिडी पर खरीदना चाहते हैं तो गोवा सरकार सब्सिडी दे रही है। इसके लिए आपको 31 जुलाई तक इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदना होगा और सब्सिडी के लिए अप्लाई करना होगा। गोवा सरकार 31 जुलाई तक खरीदे गए इलेक्ट्रिक व्हीकल पर ही सब्सिडी देगी। टू-व्हीलर पर 30,000 रुपए, थ्री-व्हीलर पर 60,000 रुपये और चार पहिये वाली गाड़ी पर 3 लाख रुपये तक की सब्सिडी दे रही है। बदल जाएगी सिलेंडर की कीमतें- हर महीने की पहली तारीख को सिलेंडर की कीमतें तय होती है। 1 अगस्त को पब्लिक सेक्टर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां सिलेंडर की कीमत तय करेंगी। इस बार कंपनियां भाव में इजाफा कर सकती हैं। ऐसे में अगर आप सस्ते में सिलेंडर पाना चाहते हैं तो 5 दिनों के अंदर बुकिंग करा लें।

अब गूगल मैप्स पर दिखेगी भारत में सड़कों की वास्तविक तस्वीरें

नयी दिल्ली,

गूगल मैप्स पर अब भारत के 10 शहरों में सड़कों और गलियों की वास्तविक तस्वीरें देखी जा सकेंगी। प्रौद्योगिकी कंपनी ने इसके लिये दो स्थानीय कंपनियों के साथ भागीदारी की है। सरकार ने पूर्व में सुरक्षा कारणों से सड़कों और अन्य जगहों की व्यापक फलक वाली तस्वीरें दिखाने की अनुमति नहीं दी थी। अबतक गूगल मैप्स पर उपग्रह से ली गयी तस्वीरें होती थीं, लेकिन अब उसपर वास्तविक तस्वीरें होंगी। गूगल ने बुधवार को बयान में कहा कि जेनेसिस इंटरनेशनल और टेक महिंद्रा की भागीदारी के साथ सड़कों, गलियों की वास्तविक तस्वीर देखने की सेवा शुरू की गयी है। बयान के अनुसार, ''गूगल मैप्स पर आज से सड़क की तस्वीर उपलब्ध होगी। यह सेवा बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, नासिक, वडोदरा, अहमदनगर और अमृतसर में होगी।'' गूगल, जेनेसिस इंटरनेशनल और टेक महिंद्रा की 2022 तक इस सेवा का 50 से अधिक शहरों में विस्तार करने की योजना है। इसके साथ गूगल मैप्स यातायात प्राधिकरणों की तरफ से जारी गति सीमा के आंकड़े भी दिखाएगी। गूगल ने 'ट्रैफिक लाइट' के समय को बेहतर ढंग से बनाने के मॉडल को लेकर बेंगलुरु यातायात पुलिस के साथ अपनी साझेदारी की भी घोषणा की है। बयान में कहा गया है, ''यह स्थानीय यातायात प्राधिकरण को प्रमुख चौराहों पर सड़क की भीड़ का प्रबंधन करने में मदद कर रहा है... इस व्यवस्था का पूरे शहर में विस्तार किया जाएगा।''

स्पाइसजेट ने कहा- वह डीजीसीए की चिंताओं का समाधान करेगी

- कंपनी ने कहा, गुरुवार को उसके सभी विमानों ने समय पर उड़ान भरी

नई दिल्ली ।

विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा कि वह नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की किसी भी प्रकार की चिंताओं का समाधान करेगी। कंपनी ने परिचालन बढ़ने का भी भरोसा जताया। स्पाइसजेट के विमानों में तकनीकी खामी की कई घटनाओं के मद्देनजर डीजीसीए ने बुधवार को एयरलाइन को आठ हफ्तों तक गर्मियों के लिए स्वीकृत उड़ानों में से अधिकतम 50 फीसदी के संचालन का आदेश दिया था। कंपनी ने कहा कि गुरुवार को उसके सभी विमानों ने समय पर उड़ान भरी। डीजीसीए के आदेश की वजह से कोई उड़ान रद्द नहीं की गई है। उसने कहा कि नियामक के बुधवार के आदेश का एयरलाइन के निर्धारित कार्यक्रम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। कंपनी ने कहा` कि हम अपने यात्रियों और यात्रा साझेदारों को फिर से भरोसा दिलाना चाहते हैं कि आगामी दिनों और हफ्तों में हमारे विमान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उड़ान भरेंगे। इसमें कहा गया` कि स्पाइसजेट को अपना परिचालन बढ़ने का भरोसा है और नियामक की किसी भी चिंता का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। डीजीसीए ने कहा था कि इन आठ हफ्तों के दौरान बजट एयरलाइन पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। डीजीसीए ने इस साल गर्मियों के लिए (11 मार्च से 29 अक्टूबर के बीच) स्पाइसजेट की 4,192 साप्ताहिक घरेलू उड़ानों को मंजूरी दी थी। नियामक के बुधवार के आदेश के तहत एयरलाइन अगले आठ हफ्तों के लिए 2096 उड़ानों से ज्यादा का संचालन नहीं कर सकती है। 19 जून से लेकर पांच जुलाई के बीच स्पाइसजेट के विमानों में तकनीकी खराबी आने की कम से कम आठ घटनाएं हुईं। इसके बाद छह जुलाई को डीजीसीए ने एयरलाइन को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मानन नियामक ने बुधवार को अपने आदेश में कहा कि विभिन्न स्थलों की जांच, निरीक्षण और स्पाइसजेट की ओर से जमा कराए गए कारण बताओ नोटिस के जवाब के मद्देनजर, सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन सेवा के निरंतर निर्वाह के लिए, स्पाइसजेट की गर्मियों के लिए स्वीकृत उड़ानों की संख्या आठ हफ्तों तक 50 फीसदी पर सीमित की जाती है।

कोका कोला और उसकी साझेदार करेंगे 7,990 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

कोका कोला इंडिया और उसके बॉटलिंग साझेदार अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए एक अरब डॉलर (करीब 7,990 करोड़ रुपए) का निवेश कर रहे हैं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी के अध्यक्ष (भारत और दक्षिण पश्चिम एशिया) संकेत रे ने कहा कि इस निवेश से क्षमता में करीब 40 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा कंपनी नए उत्पादों को जोड़कर देश में अपने बाजार को बढ़ाने पर भी जोर दे रही है। रे ने हाल ही में यहां एक मीडिया गोलमेज वार्ता में कहा कि हम लगभग एक अरब डॉलर क्षमता विस्तार में निवेश कर रहे हैं।

इस साल हमें पहले ही 14 से 16 लाइनें मिल गई हैं। अगले साल हमें बड़ी संख्या में लाइनें मिल जाएंगी। इससे कंपनी को 30 से 40 प्रतिशत तक क्षमता का विस्तार करने में मदद मिलेगी। इस राशि में कंपनी की बॉटलिंग इकाई हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड (एचसीसीबीएल) द्वारा किया जाने वाला निवेश भी शामिल है।

ऑल्टो का नेक्स्ट जनरेशन मॉडल लॉन्च करने तैयार

-पहले से लंबी और नई होगी कार की डिजाइन

नई दिल्ली ।

ऑल्टो का नेक्स्ट जनरेशन मॉडल अगले महीने लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मारुति सुजुकी के इस नेक्स्ट-जेन मॉडल को कई मौकों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है और इसके अगस्त के दूसरे भाग में लॉन्च होने की उम्मीद है। ऑल्टो के थर्ड जनरेशन मॉडल को एक नया प्लेटफॉर्म और पावरट्रेन मिल सकता है। सुजुकी कार को अपने मॉड्यूलर हार्टेक्ट प्लेटफॉर्म से लैस करने की संभावना है, जो कई मॉडलों में देखा जाता है। कार के स्पाई शॉट्स से पता चला है कि अगली पीढ़ी की ऑल्टो में पूरी तरह से नया डिजाइन और बॉडी शेल है। कार के हैचबैक लुक को बरकरार रखा जाएगा।

इसका डिजाइन सेलेरियो की तरह हो सकता है।नई ऑल्टो की स्टाइलिंग को शार्प किया गया है, जहां हेडलैम्प्स ऊपर की ओर झुके हुए हैं और फॉग लैंप्स को चंकी बनाया गया है। इस बीच, मेश ग्रिल को फ्रंट बंपर में मिलाने के लिए बनाया गया है। नई ऑल्टो मौजूदा मॉडल से थोड़ी लंबी हो सकती है, जबकि इसके दरवाजे भी थोड़े बड़े हो सकते हैं। हालांकि, सभी वेरिएंट के लिए टायरों का साइज 13 इंच ही रहने की उम्मीद है। टेलगेट का डिजाइन सीधा दिखाई दे सकता है, जबकि टेल-लैंप शेड सेलेरियो की तरह हो सकता है। इंजन की बात करें तो नेक्स्ट-जेन ऑल्टो में नया के10ष्ट 1.0-लीटर डुअलजेट पेट्रोल इंजन मिल सकता है। इंजन 89 एनएम का पीक टॉर्क और 67 एचपी पावर देता है। यह आउटगोइंग ऑल्टो मॉडल से 20 एनएम और 19 एचपी अधिक है, जिसमें 796 सीसी इंजन है। ऑल्टो को पहली बार भारतीय बाजार में 2000 में पेश किया गया था। यह 2004 तक ऑटोमेकर की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई।

पिछले 20 सालों में मारुति सुजुकी ऑल्टो की कुल 43 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। इससे आप इस कार की लोकप्रियता का अंदाजा लगा सकते हैं और साफ सेल के मामले में यह भारत की अब तक की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है।

ऐसे में मारुति का यह दांव हैचबैक सेगमेंट में गेमचेंजर साबित हो सकता है।मारुति सुजुकी नई ऑल्टो को दो इंजन ऑप्शन के साथ उतार सकती है, जो इसे ग्राहकों के बड़े समूह को टारगेट करने में मदद करेगी।

बीएसएनएल की आर्थिक सेहत सुधारने 1.64 लाख करोड़ के पैकेज को मंजूरी

BSNL
Connecting India

नई दिल्ली ।

कैबिनेट ने दूरसंचार कंपनी बीएसएलएल की आर्थिक सेहत सुधारने के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक इस पैकेज के तीन लक्ष्य हैं, पहला बीएसएनएल की सेवाओं को बेहतर बनाना, दूसरा इसकी बैलेंस शीट को सुधारना और तीसरा बीएसएनएल की फाइबर के जरिए पहुंच को दूर तक ले जाना है। इस रकम का इस्तेमाल इन तीनों उद्देश्यों को हासिल करने में किया जाएगा। इसके साथ ही सरकार बीएसएनएल को सॉवरेन गारंटी बॉन्ड के जरिए बैंक कर्ज चुकाने में मदद भी करेगी। फिलहाल सरकारी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर पर 33 हजार करोड़ रुपए का बैंक कर्ज है।

इसके साथ ही सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में 4जी नेटवर्क के विस्तार के लिए 26,316 करोड़ रुपए के अतिरिक्त फंड को भी मंजूरी दी है। इसी के साथ कैबिनेट ने भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड के बीएसएनएल में मर्जर को भी मंजूरी दे दी है। भारत ब्रॉडबैंड के अंतर्गत भारतनेट दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण क्षेत्रों का ब्रॉडबैंड प्रोजेक्ट है। इसे यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड से पैसा मिला है, जो कि ग्रामीण इलाकों में तेज संचार के लिए स्थापित किया गया। वहीं केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बैलेंस शीट को साफ करने के लिए 33 हजार करोड़ रुपए के कर्ज को पहले इक्विटी में बदला जाएगा।

वहीं इतनी ही रकम के बराबर लो इंट्रेस्ट बॉन्ड जारी कर बैंकों को कर्ज चुकाया जाएगा। इसके साथ ही कैबिनेट ने बीएसएनएल को 4जी और 5 जी सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के एडमिनिस्ट्रेटिव एलोकेशन को भी मंजूरी दी है।

वेस्टइंडीज को तीन मैचों में हराकर भारत वनडे रैंकिंग में 110 अंक पर पहुंचा

दुबई (एजेंसी)।

भारत ने वेस्टइंडीज को तीन मैचों की एक दिवसीय मैचों में श्रृंखला में 3-0 से हराने के बाद अपना तीसरा स्थान सुरक्षित रखा है। कई शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में शिखर धवन की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करके वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया। भारत ने तीसरे वनडे में 119 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। यह विजय भारत की वनडे श्रृंखलाओं में लगातार तीसरी जीत है जिससे उसके रेटिंग अंकों की संख्या 110 पर पहुंच गई है। वह अब चौथे स्थान पर काबिज पाकिस्तान (106 अंक) से चार रेटिंग अंक आगे हो गया है। भारत ने इस साल के शुरू में दक्षिण अफ्रीका को उसकी धरती पर हराया था। इस तरह से भारतीय टीम ने पिछले 9 वनडे मैच में से आठ में जीत दर्ज की है।

न्यूजीलैंड वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है। उसके 128 रेटिंग अंक है जबकि इंग्लैंड 119 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान चौथे स्थान पर बना हुआ है। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम अभी श्रीलंका में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेल रही है। पाकिस्तान इसके बाद नीदरलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला खेलेगा जिससे उसके पास कुछ रेटिंग अंक हासिल करने का मौका रहेगा। भारत भी अगस्त में जिंबाब्वे के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलेगा।

डेविस कप मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने डोमिनिको विसिनी

बाकू (एजेंसी)।

सैन मैरिनो के डोमिनिको विसिनी डेविस कप मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। विसनी अभी 50 साल के हैं और सितंबर में वह अपना 51वां जन्मदिन मनाएंगे। विसिनी और उनके युगल जोड़ीदार मार्को डी रॉसी ने बुधवार को ग्रुप चार के मैच में अल्बानिया के मार्टिन मुएदिनी और मारियो जिली को 6-3, 7-6 से हराया। यह विसिनी का अपने 24वें डेविस कप टूर्नामेंट में कुल मिलाकर 99वां मैच था। डेविस कप ने ट्वीट किया, 'इतिहास रचने वाले विसिनी अपना 100 वां मैच खेलने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। एक ऐसी उपलब्धि जिसे आज तक किसी ने हासिल नहीं किया।' विसनी शुक्रवार को यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विसनी ने तीन साल पहले सबसे अधिक उम्र में डेविस कप एकल मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया था।

कोरोना संक्रमण से उबरने सलामी बल्लेबाज एस मेघना बर्मिंघम के लिए पकड़ी फ्लाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 29 जुलाई को होने वाले मुकाबले से पहले सलामी बल्लेबाज एस मेघना ने कोरोना से उबरकर बर्मिंघम की फ्लाइट पकड़ ली है। मेघना कोरोना संक्रमित थीं और इसी वजह से टीम के साथ पहले इंग्लैंड नहीं जा पाई थीं। हालांकि, अब कोरोना से उबरने के बाद उन्होंने बर्मिंघम के लिए उड़ान भरी है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में खेलने का मौका मिलेगा, इसकी संभावना कम ही है। एस मेघना के साथ पूजा वस्त्रकार भी कोरोना संक्रमित पाई गई थीं। हालांकि, उन्होंने लंदन के लिए उड़ान भरी है या नहीं, यह अब तक साफ नहीं हुआ है। यह दोनों खिलाड़ी बीते हफ्ते कोरोना संक्रमित पाई गई थीं और इसके बाद से ही बैंगलुरु में ही आइसोलेशन में थी, जहां भारतीय क्रिकेट टीम का कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए कैंप लगा था।

मेघना ने गुरुवार को ही बर्मिंघम के लिए फ्लाइट पकड़ी है और उन्होंने सोशल मीडिया पर इससे जुड़ी तस्वीरें भी शेयर की हैं। एस मेघना ने अब तक खेले 10 टी20 में 100 की स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए हैं। वो 20 चौके लगा चुकी हैं। मेघना ने भारत के लिए 3 वनडे में एक अर्धशतक की मदद से 114 रन बनाए हैं।

भारतीय दल में सिर्फ 15 खिलाड़ियों की संख्या सीमित होने के कारण टीम के साथ रिज़र्व खिलाड़ी पूनम यादव, सिमरन दिल बहादुर और ऋचा घोष भी नहीं गई हैं। पहली बार कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला क्रिकेट को शामिल किया गया है। सभी मैच एजबेस्टन में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के बाद 31 जुलाई को पाकिस्तान और 3 अगस्त को बारबाडोस से भिड़ना है। महिला क्रिकेट इवेंट के दूसरे ग्रुप में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका को जगह मिली है। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी। सेमीफाइनल 6 अगस्त को खेले जाएंगे। वहीं, गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले 7 अगस्त को खेले जाएंगे।

एक कप्तान जिस तरह का संपूर्ण प्रदर्शन चाहता, उसी तरह का प्रदर्शन सभी ने किया: धवन

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)।

शिखर धवन ने कहा कि एक कप्तान जिस तरह का संपूर्ण प्रदर्शन चाहता है, खिलाड़ियों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ उसी तरह का प्रदर्शन कर युवा खिलाड़ियों ने अपना जज्बा दिखाकर चुनौती को अवसरों में बदला। भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से जीत दर्ज करके क्लीन स्वीप किया। धवन पहले ऐसे कप्तान बन गए हैं, जिनकी अगुआई में भारत ने वेस्टइंडीज का उसी की धरती पर सूपड़ा साफ किया। भारत ने तीसरे वनडे में शुभमन गिल के नाबाद 98 रन की मदद से 119 रन की बड़ी जीत दर्ज की। धवन ने मैच के बाद कहा, हमने पूरी श्रृंखला में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे मुझे टीम पर गर्व है। प्रत्येक मैच में हमने अपना जज्बा दिखाया और चुनौतियों को अवसरों में बदला। जिस तरह से प्रत्येक खिलाड़ी ने अपना योगदान दिया उससे

मैं बहुत खुश हूं।'

धवन ने कहा, एक कप्तान के तौर पर मैं जिस तरह का संपूर्ण प्रदर्शन चाहता था, खिलाड़ियों ने वैसा ही खेल दिखाया।' भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। गिल, धवन, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन और अक्षर पटेल ने बेहतरीन पारियां खेली। धवन ने कहा, जिस तरह से मैंने अपने शॉट खेले उसे देखते हुए मैं अपनी बल्लेबाजी से बहुत खुश हूं। इतने अनुभव के बाद मैं जानता हूं कि किस तरह से शांत चित्त होकर खेलना चाहिए। मुझे तब अच्छा लगता है, जब मैं शांत चित्त होकर दबाव को झेलता हूं।'

धवन ने श्रृंखला में गिल (205) के बाद सर्वाधिक 168 रन बनाए। उन्होंने कहा, 'टीम के लिहाज से हमारे लिए सब कुछ सकारात्मक रहा। बल्लेबाजों में प्रत्येक खिलाड़ी ने योगदान दिया। गिल, श्रेयस अय्यर, संजू, अक्षर सभी ने अच्छी बल्लेबाजी की। बल्लेबाजी इकाई के लिए यह बहुत अच्छा संकेत है। सभी युवा हैं और उन्होंने प्रत्येक मैच में अपनी जिम्मेदारी को अच्छी तरह से निभाया।' धवन ने कहा, 'गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और युजवेंद्र चहल अनुभवी गेंदबाज हैं। अक्षर ने भी अच्छी गेंदबाजी की। यहां तक कि दीपक हुड्डा ने भी अच्छी गेंदबाजी की। गेंदबाजी इकाई ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जब खेल के दोनों विभागों में आपके खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तब यह देखकर अच्छा लगता है।'

यूएई में होगा एशिया कप, श्रीलंका करेगा मेजबानी

कोलंबो। एशियाई क्रिकेट परिषद ने कहा है कि श्रीलंका में चल रहे आर्थिक संकट के कारण एशिया कप का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में होगा, जबकि मेजबानी के अधिकार श्रीलंका के पास ही रहेंगे। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'श्रीलंका में एशिया कप की मेजबानी के लिए हर संभव प्रयास किया गया था। बहुत सोच विचार के बाद आयोजन स्थल को यूएई में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। यूएई नया स्थल होगा जबकि श्रीलंका मेजबानी के अधिकार बरकरार रखेगा।' उन्होंने कहा, 'एशिया कप का यह संस्करण अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एशियाई देशों को आईसीसी विश्व कप के लिए तैयार करने में मदद करेगा, और मैं एसएलसी और अमीरात क्रिकेट बोर्ड को उनकी समझ और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं।' एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका को सौंपी गई थी, लेकिन कोरोना के कारण पहले यह आयोजन 2021 के लिए और फिर 2022 के लिये स्थगित कर दिया गया। अंततः श्रीलंका के आर्थिक संकट के कारण इसे यूएई में स्थानांतरित किया गया है जहां यह 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच खेला जाएगा।

अगले एफटीपी में देश अब भी काफी संख्या में वनडे शामिल कर रहे हैं: आईसीसी सीईओ अलार्डिस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व क्रिकेट में 50 ओवर के प्रारूप का भविष्य विवाद का विषय बना हुआ है लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ज्योफ अलार्डिस को इस प्रारूप की दिलचस्पी में कोई खास गिरावट नहीं दिखती क्योंकि अगले भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) चक्र में अच्छी खासी संख्या में वनडे शामिल किये गये हैं। वसीम अकरम और रवि शास्त्री जैसे महान क्रिकेटरों ने घरेलू टी20 लीग का काफी समर्थन किया है जो तेजी से फैल रही हैं और वनडे की जगह कम करती जा रही हैं लेकिन अलार्डिस को लगता है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हालात इतने चिंताजनक नहीं हैं, उन्होंने कहा, ''अगले एफटीपी (2023-27) में देश काफी संख्या में वनडे को शामिल कर रहे हैं इसलिये एफटीपी में आपको वनडे की संख्या में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखेगा। ''उन्होंने यहां वर्चुअल मीडिया कांफ्रेंस में पत्रकारों से कहा, ''वनडे की प्रासंगिकता के बारे में हमने खेल के ढांचे पर बात की और उन्हें एफटीपी में किस तरीके से शामिल किया जा रहा है, इस बारे में भी।

बारबडोस की कप्तान हेली मैथ्यूज को भारत को हराने का यकीन

र्मिंघम। बारबडोस की कप्तान हेली मैथ्यूज और उनकी टीम अपने ग्रुप में खिताब की प्रबल दावेदार आस्ट्रेलिया और भारत की मजबूत टीम की मौजूदगी से परेशान नहीं हैं और उनका लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों की महिला टी20 क्रिकेट स्पर्धा में कुछ उलटफेर करने का है। बारबडोस को ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत और आस्ट्रेलिया के साथ रखा गया है और सेमीफाइनल में जगह बनाने की संभावना जीवंत रखने के लिए उसे खिताब के दावेदार आस्ट्रेलिया या 2020 में पिछले टी20 विश्व कप के उप विजेता भारत को हराना होगा। वेस्टइंडीज की राष्ट्रीय टीम तथा भारत में महिला टी20 चैलेंज में नियमित तौर पर खेलने वाली 24 साल की मैथ्यूज ने कहा, ''यह हमारे लिए चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंट होगा लेकिन हम इसका स्वागत करते हैं। हम जब मैदान पर उतरकर अपनी रणनीति के अनुसार खेलेंगे तो क्या पता हम क्या कर सकते हैं, हमारे पास बड़ी टीम को हराने का मौका होगा।'' मैथ्यूज 16 साल की उम्र से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रही हैं लेकिन वैश्विक मंच पर बारबडोस का प्रतिनिधित्व करना नया अनुभव होगा। आम तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वेस्टइंडीज की संयुक्त टीम उतरती है लेकिन राष्ट्रमंडल खेलों में कैरेबियाई द्वीपों का अलग अलग प्रतिनिधित्व होता है इसलिए बारडोस को 2019 कैरेबियाई घरेलू टी20 टूर्नामेंट के विजेता बनने के कारण इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए चुना गया।बड़ी टीमों के खिलाफ सफलता के लिए क्या जरूरी है यह पूछे जाने पर मैथ्यूज ने कहा, ''जब भी हम मैदान पर उतरते हैं तो मैं प्रोत्साहित करती हूं कि जितना अधिक संभव हो उतना लुत्फ उठाओ। खुलकर खेलने पर ही हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करती हैं।''

जयसूर्या-मेंडिस की गेंदबाजी की बदौलत श्रीलंका ने 246 रनों से पाकिस्तान को हराया

गॉल (एजेंसी)।

स्पिनर प्रबथ जयसूर्या और रमेश मेंडिस की बेहतरीन गेंदबाजी की दम पर श्रीलंका ने 2 मैचों की सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट में पाकिस्तान को 246 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म हो गई है। पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान ने रिकॉर्ड लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया था। जयसूर्या ने दूसरी पारी में 5 जबकि रमेश मेंडिस ने 4 विकेट चटकाए।

पाकिस्तान की टीम ने 176 रन से आगे खेलते हुए पांचवें और आखिरी दिन 261 रन पर ढेर हो गई। मेहमान पाकिस्तान की टीम ने पांचवें दिन 85 रन के अंदर अपने 8 विकेट गंवा दिए। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 378 रन बनाए थे। उसने अपनी दूसरी पारी 8 विकेट पर 360 रन बनाकर घोषित की। पाकिस्तान की पहली पारी 231 रन पर ढेर हो गई थी। बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तान के सामने रिकॉर्ड 508 रन का लक्ष्य था। दूसरी पारी में उसकी ओर से कप्तान बाबर आजम ने सबसे ज्यादा 81 रन बनाए जबकि इमाम उल हक 49 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

31 साल की उम्र में टेस्ट में डेब्यू करने वाले स्पिनर प्रबथ जयसूर्या को मैन ऑफ सीरीज चुना गया। जयसूर्या ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में कुल 17 विकेट चटकाए। वह सर्वाधिक विकेट झटकने वाले गेंदबाज रहे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रमेश मेंडिस रहे जिन्होंने 12 विकेट अपने नाम किए। दूसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शतकीय पारी खेलने वाले धनंजय डिसिल्वा को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान की दूसरी पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने स्कोर को 176 रन तक पहुंचाया। इसके बाद रिजवान का धैर्य भी जवाब दे गया और 37 रन के निजी स्कोर पर प्रबथ जयसूर्या ने उन्हें पवेलियन भेज दिया। इसके बाद पाकिस्तान टीम की विकेटों का पतझड़ शुरू हुआ। फवाद आलम महज एक रन बनाकर आउट हुए जबकि आगा सलमान ने चार रन का योगदान दिया। पाकिस्तान ने बाबर आजम के रूप में अपना छठा विकेट गंवाया। यासिर शाह 25 गेंदों पर 27 रन बनाकर आउट हुए।

युवा मुक्केबाज की ड्रग ओवरडोज से मौत, 2 गोल्ड सहित जीत चुका था पांच मेडल

नई दिल्ली । बठिंडा जिले के तलवंडी साबो में गुरुवार को पांच बार के पदक विजेता और राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज की कथित तौर पर ड्रग ओवरडोज के कारण मौत हो गई। कुलदीप सिंह उर्फ दीप घालीवाल की उम्र मात्र 22 साल थी और वह दो गोल्ड समेत पांच मेडल जीत चुका था। उनके कोच हरदीप सिंह ने कहा, 'बुधवार को कुलदीप करीब 11 बजे अपने घर से निकला था। देर शाम तक जब वह नहीं लौटा और संपर्क नहीं हो सका तो परिजन उसकी तलाश करने लगे। उनका शव रमा रोड पर एक पानी के नाले के पास एक खेत में पड़ा मिला। रिपोर्टस में प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा गया है कि उसके पास एक सिरिंज मिली थी और ऐसा संदेह था कि उसकी मौत कथित तौर पर ड्रग ओवरडोज से हुई थी। हालांकि उसके परिवार ने दावा किया कि वह एक ड्रग एडिक्ट नहीं था। एसआई धर्मवीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। बॉक्सर का मैदान में लेटा हुआ एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

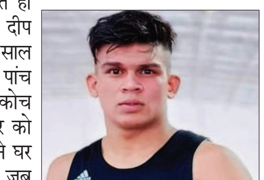

चेसबेस इंडिया ओरिजनल्स डैथ शतरंज: रोमांचक मुकाबले में विदित को हराकर अनीश बने विजेता

मुंबई। विश्व शतरंज में दो ग्रांड मास्टरों के बीच हुए अब तक के सबसे अनोखे टूर्नामेंट चेसबेस इंडिया ओरिजनल्स डैथ शतरंज का खिताब नीदरलैंड के ग्रांड मास्टर अनीश गिरि ने अपने नाम कर लिया। अपने तरह के खास मुकाबले में जो हजारों दर्शकों की मौजूदगी में मुंबई के फेनिक्स मार्केट सिटी में खेला गया जिसमें ऑनलाइन ओलंपियाड में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के कप्तान ग्रांड मास्टर विदित गुजराती खिताब जीतने के बेहद करीब पहुँच गए थे पर अंतिम समय में बाजी अनीश के नाम रही। प्रतियोगिता को अलग अलग फॉर्मेट में कुछ इस प्रकार खेला गया की पूरी दुनिया भर में इस मुकाबले के चर्चे चल रहे है । सबसे बड़ी बात यह रही है की इस मुकाबले के दौरान सामने बैठे हजारो दर्शको को खास तकनीक के जरिये लाइव कोमेंट्री सुनने को मिल रही थी जबकि खेल रहे दोनों खिलाड़ियों तक कोई आवाज नहीं जाने देने का इंतजाम था ! प्रतियोगिता तीन मुख्य सेट में खेली गयी जिसमें पहले सेट में ब्लाइंडफ़ोल्ड ,सामान्य रैपिड , नो केस्लिंग शतरंज और 960 शतरंज के चार रैपिड हुए जिसमें ब्लाइंड फ़ोल्ड और 960 के मुकाबले जीतकर और बाकी ड्रॉ खेलकर विदित ने शानदार शुरुआत की और 3-1 से धमाकेदार शुरुआत की । दूसरा सेट ब्लिट्ज मुकाबलों का हुआ जहां खिलाड़ियों को हर मैच में कुल 4 मिनट और प्रति चाल 2 सेकंड और लगातार एक घंटे तक हुए इस सेट में कुल 6 ब्लिट्ज मुकाबले हुए जिसे अनीश ने 3.5-2.5 से जीतकर वापसी कर इसके बाद भी विदित ओवरऑल 5.5 - 4.5 से आगे बने हुए थे ।

एलेन के शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को पहले टी20 में 68 रनों से हराया

एडिनबर्ग। ओपनर फिन एलेन के अंतरराष्ट्रीय करियर में पहले शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 68 रनों से जीत दर्ज की है। एलेन ने 56 गेंदों में 8 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 101 रन की बेहतरीन पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 225 रन का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया, जिसके बाद खेलने उतरी स्कॉटलैंड की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 157 रन ही बना सकी।

मानसिक स्वास्थ्य काफी अहम है तो पैडी अपटन काफी मददगार होंगे: द्रविड़

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)।

भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को लगता है कि पैडी अपटन के पास जानकारी का अपार भंडार है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर में जब क्रिकेटरों के लिये मानसिक स्वास्थ्य सर्वोपरि बनता जा रहा है तो वह ऐसे समय में काफी उपयोगी साबित होंगे। अपटन को द्रविड़ के कहने पर भारतीय टीम के साथ जोड़ा गया है।

अब वह भारतीय खिलाड़ियों को आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के दबाव से निपटने में मदद करेंगे। द्रविड़ ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, ''इतना क्रिकेट खेला जा रहा है कि क्रिकेट में मानसिक स्वास्थ्य काफी अहम है और अपटन जैसा संसाधन होना ग्रुप के लिये सचमुच मददगार होगा।''

अपटन 2008 से 2011 तक गैरी कर्स्टन के साथ चार साल काम कर चुके हैं। द्रविड़ को लगता है कि अपटन भारतीय क्रिकेट से अच्छी तरह वाकिफ हैं जो मददगार साबित होगा।

द्रविड़ ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यात्रा करते हुए बतौर क्रिकेटर हम खेल की मानसिक पहलू को समझते हैं और हम भाग्यशाली है कि पैडी जैसा व्यक्ति हमारे साथ है क्योंकि उन्हें 2011 विश्व कप के दौरान भारतीय टीम के साथ होने का अनुभव है और इससे थोड़ा मदद होगी भी।''

उन्होंने कहा, ''सबसे अहम चीज ये वह ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों को जानते है क्योंकि वह भारतीय टीम में या इंडियन प्रीमियर लीग में उनके साथ काम कर चुके हैं।''

द्रविड़ ने कहा, ''वह हमारी संस्कृति से परिचित हैं और भारतीय टीम किस तरह से काम करती है। वह हमारे लिये पूरी तरह फिट दिखते हैं और विश्व कप के लिये टीम की तैयारियों में उनकी जानकारी अहम साबित होगी।'' वहीं अपटन ने कहा, ''हर किसी का प्रेरित होने का तरीका होता है और व्यक्तियों को उनकी प्रेरणा खोजने में मदद करना मेरी भूमिका का हिस्सा है जिसके लिये हमें एक ऐसा माहौल बनाना होता है जिससे लोग खुद ही अच्छा करें।''

अपनी बात को समझाने के लिये उन्होंने माली का उदाहरण दिया कि

खूबसूरत फूल उगाने के लिये माली को उपजाऊ जमीन तैयार करनी होती है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको एक सरल में बताता हूं कि खूबसूरत फूल उगाने के लिये माली को उपजाऊ जमीन बनानी होती है। कोच के तौर पर हमारी भूमिका उपजाऊ माहौल बनाने की होती है जिससे हमारे खिलाड़ियों को मैदान के अंदर और बाहर प्राकृतिक रूप से अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद मिले।''

गुजरात की गत दो दशकों की विकास यात्रा में सहकारी क्षेत्र का बड़ा योगदान

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश को 'सहकार से समृद्धि' का मार्ग बताने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात की धरा पर साबरकांठा और अरवल्ली के पशुपालकों की जीवनरेखा साबर डेयरी के 1030 करोड़ रुपए के विविध संयंत्रों का लोकार्पण और शिलान्यास दूध की धारा को अविरल रखने वाले प्रकल्प साबित होंगे। उन्होंने कहा कि साबरकांठा, अरवल्ली और उत्तर गुजरात के लिए यह भेंट श्वेत क्रांति का अमृत काल बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात की गत दो दशकों की विकास यात्रा में सहकारी क्षेत्र का बड़ा योगदान रहा है। आजादी की क्रांति से श्वेत क्रांति तक गुजरात की विकास यात्रा अविरत रही है। यह उस साबरकांठा की धरती है, जहां आदिवासियों ने अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल बजाकर आजादी की क्रांति में अमूल्य योगदान दिया था। पाल दढवाव के हजारों आदिवासियों का बलिदान आज भी अनेक क्रांतिवीरों की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश हमारे नरेन्द्रमोदी की अगुवाई में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। नरेन्द्र मोदी ने ऐसे वीर शहीदों की स्मृति में एवं राष्ट्रध्वज तिरंगे की आन-बान और शान के प्रति जन-जन में राष्ट्रभक्ति पैदा करने का आह्वान किया है। उन्होंने आगामी 13 से 15 अगस्त के दौरान 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम से जुड़कर गुजरात में साबरकांठा जिले सहित तमाम जिलों और शहरों के 1 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने का संकल्प जताया। आजादी के अमृत पर्व पर प्रधानमंत्री के करकमलों से गुजरात को मिल रही नए डेयरी प्लांट की भेंट का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में गुजरात ने विकास की छलांग लगाई है। गुजरात को विकास के मार्ग पर तेज रफ्तार से आगे बढ़ने के लिए डबल इंजन सरकार का दोहरा लाभ मिल रहा है। इसके चलते गुजरात ने सहकारी दूध उत्पादन क्षेत्र से लेकर उद्योग, व्यापार और खेती सहित तमाम क्षेत्रों में विकास के नए परिमाण हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन गतिविधि में भी गुजरात आगे है। राज्य में दूध उत्पादकों की संख्या गत दो दशकों में 21 लाख से बढ़कर 36 लाख तक पहुंच गई है। पटेल ने कहा कि जिले के सहकारी अग्रणियों भूराभाई पटेल, गोपालभाई पटेल और अंबुभाई पटेल की दूरदर्शिता से 1964 में केवल 19 गांवों की दूध मंडलियों और 5100 लीटर दूध एकत्रीकरण से इस डेयरी की शुरुआत हुई थी। आज 1800 दूध मंडलियों से रोजाना 40 लाख लीटर दूध एकत्रित कर पशुपालकों को रोजाना 10 करोड़ रुपए का भुगतान करने वाली यह डेयरी विशाल वट वृक्ष बनी है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि गुजरात से बाहर रोहतक में भी इस डेयरी का प्लांट कार्यरत है। इतना ही नहीं, साबर डेयरी राज-स्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश के पशुपालकों से भी दूध एकत्रित कर उन राज्यों के पशुपालकों को दूध की रकम का भुगतान करती है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से वैल्यू एडिशन का जमाना है। खेती, पशुपालन और दूध उत्पादन, इन तीनों क्षेत्रों को और भी समृद्ध बनाने कि लिए प्रधानमंत्री निरंतर हमारा मार्गदर्शन करते रहते हैं।

गुजरात में कोरोना के 1101 नए मामले, सक्रिय मरीजों की संख्या पहुंचा 6000 के करीब

गांधीनगर। गुजरात में दो रोगों से हाहाकार मचा हुआ है। पहला इंसानों में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है और दूसरा लम्पी स्कीन रोग पशुओं की जान ले रहा है। खासकर सौराष्ट्र और कच्छ में लम्पी स्कीन रोग अब तकई पशुओं को निगल गया है। कोरोना की बात करें तो गुजरातभर में कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित अहमदाबाद शहर है, जहां हर दिन राज्यभर में सबसे अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं। गुरुवार को राज्यभर में कोरोना के 1101 नए मामले दर्ज हुए हैं, जबकि 886 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन कॉर्पोरेशन में एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई। दूसरी ओर आज राज्य में 3.65 लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 364, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 78, मेहसाणा में 76, गांधीनगर में 60, वडोदरा में 58, सूरत कॉर्पोरेशन में 48, राजकोट कॉर्पोरेशन में 43, गांधीनगर कॉर्पोरेसन में 40, कच्छ में 38, सूरत में 29, बनासकांठा में 22, भावनगर कॉर्पोरेशन में 21, नवसारी में 19, भरुच में 18, अमरेली में 17, साबरकांठा में 17, पाटण में 16, राजकोट में 16, आणंद में 14 कोरोना के नए मामले दर्ज हए हैं। इसके अलावा अहमदाबाद, मोरबी, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, अरवल्ली, खेडा, पंचमहल, तापी, भावनगर, बोटाद, जामनगर, जामनगर कॉर्पोरेशन, सुरेन्द्रनगर, महीसागर, छोटाउदेपुर, गिरसोमनाथ, जूनागढ़, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन इत्यादि में 1 से 10 कोरोना के केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुए हैं। दाहोद, डांग और नर्मदा राज्य के ऐसे जिले हैं जहां कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। इस दौरान 886 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।

राज्य में अब तक 1235129 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में आज 1 मरीज की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10965 हो गया है। फिलहाल राज्य में कोरोना के 5995 एक्टिव केसों में 15 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 5980 स्टेबल हैं। दूसरी ओर गुरुवार को टीकाकरण अभियान के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के 222। को पहला और 8721 लोगों को दूसरी डोज दिया गया। 15 से 17 वर्षीय 429 को पहला और 2051 को दूसरा टीका लगाया गया। 60 वर्ष से अधिक आयु के 46559 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया।

मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बीच गुजरात एक्सप्रेस में 'एक्सप्रेस कार्गो सेवा' की शुरुआत

अहमदाबाद । पीएम गति शक्ति कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए पश्चिम रेलवे ने रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस सेवा के अंतर्गत एक नई पहल है। भारतीय डाक के सहयोग से गुजरात एक्सप्रेस ट्रेन में च्च्एक्सप्रेस कार्गो सेवाज्ज की योजना शुरू की है। इस योजना के तहत मुंबई से पहले कंसाइनमेंट को ट्रेन नंबर 22953 मुंबई-अहमदाबाद गुजरात एक्सप्रेस में लोड किया गया, जिसे गुरुवार, 28 जुलाई, 2022 को मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जी. वी. एल. सत्या कुमार और महाराष्ट्र सर्कल की मुख्य2 पोस्टमास्टर जनरल सुश्री वीना आर. श्रीनिवास के साथ पश्चिम रेलवे और भारतीय डाक विभाग के अन्य् वरिष्ठा अधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस सेवा पहल के अंतर्गत च्च्एक्सप्रेस कार्गो सेवाज्ज को माल और पार्सल के लॉजिस्टिक मूवमेंट के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए लागू किया गया है। भारतीय रेलवे और भारतीय डाक के सहयोग से संयुक्त पार्सल उत्पाद को बिजनेस टू कंज्यूमर (बी2सी) और बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) बाजार को लक्षित करने के लिए विकसित किया गया है। यह ई-कॉमर्स और एमएसएमई बाजार पर फोकस करता है जो 35 से 100 किलोग्राम के बीच भार वर्ग के बाजार के रुझान के अनुसार सस्ती कीमत प्रदान करता है। यह पहल डाक विभाग के फर्स्ट माइल और लास्ट माइल कनेक्टिविटी लाभ और रेलवे की मिडिल माइल शक्ति का लाभ उठाकर एंड टू एंड लॉजिस्टिक समाधान प्रदान करने के लिए हालिया बजट घोषणा के अनुसार शुरू की गई है। यह उन्नत सुरक्षा के साथ घर-घर जाकर सेवा प्रदान करने में मदद करेगा। यह सेवा विशेष रूप से ई-कॉमर्स कंपनियों, फार्मा कंपनियों, रेडीमेड कपड़ा कारखानों, इंजीनियरिंग सामान के निर्माताओं, मोटर वाहन के भागों, उपभोक्ता उत्पादों आदि के लिए फायदेमंद होगी। ठाकुर ने आगे बताया कि मुंबई में जीपीओ बिल्डिंग के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक्सप्रेस कार्गो सेवा के शुभारंभ के लिए आयोजित प्रेस मीट के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री सत्या कुमार और महाराष्ट्र सर्कल की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल सुश्री वीना आर. श्रीनिवास ने प्रेस को संबोधित किया। सत्या कुमार ने बताया कि देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई से ऐसी सेवा शुरू करने के लिए पश्चिम रेलवे और भारतीय डाक द्वारा यह पहल एक बड़ा कदम है। यह रेलवे द्वारा घरेलू कार्गो के परिवहन की क्षमता का उपयोग करने में मदद करेगा। यह सेवा एग्रीगेटर्स को सस्ती कीमतों पर और तेज गति से एंड टू एंड तक समाधान प्रदान करेगी। ठाकुर ने यह भी बताया कि रेल पोस्ट गति शक्ति एक्सप्रेस सेवा को सबसे पहले पश्चिम रेलवे की ट्रेन संख्या 19045 ताप्ती गंगा एक्सप्रेस में सूरत स्टेशन से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था।

लम्पी चर्म रोग की रोकथाम के लिए गुजरात के 14 जिले 'नियंत्रित क्षेत्र' घोषित

गांधीनगर।

गुजरात में लम्पी चर्म रोग की रोकथाम और पशुधन की सुरक्षा के लिए सरकार ने इस रोग के निवारण और तेजी नियंत्रण पाने के लिए राज्य के 14 जिलों को 'नियंत्रित क्षेत्र' घोषित किया है। साथ ही जिलास्तर की संकलन सह मोनिटरिंग समिति का गठन करने का भी फैसला किया है। गौरतलब है गुजरात में खासकर सौराष्ट्र-कच्छ में लम्पी स्कीन रोग ने कहर बरपा रखा है और एक के बाद एक पशुओं की मौत हो रही है। कई गांवों में तो ऐसी स्थिति है कि पशुओं को ढेर दिखने लगे हैं। लम्बी संक्रमण को फैलने के बाद अब राज्य सरकार हरकत में आई है। हांलाकि सरकार ने इस रोग में पशुओं के मौत के ताजा आंकड़े नहीं बताए। फिलहाल 14 जिलों के 880 गांवों में 3।121 पशुओं का उपचार किया गया है और 2.68 लाख से ज्यादा पशुओं की टीकाकरण किया गया है। राज्य के कृषि, किसान कल्याण एवं सहकारिता विभाग की यहां जारी प्रेस विज्ञप्तिके मुताबिक लम्पी स्कीन रोग को फैलने से रोकने और पशुओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला करते हुए इस रोग के निवारण और नियंत्रण के लिए राज्य के 14 जिलों को 'नियंत्रित क्षेत्र' घोषित किया गया है। इन 14 जिलों में अमरेली, बनासकांठा, भावनगर, बोटाद, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, कच्छ, मोरबी, पोरबंदर, राजकोट, सुरेन्द्रनगर और पाटण जिले शामिल हैं। लम्पी स्कीन रोग की निवारण और नियंत्रण के लिए पशुओं को जहां रखा गया है वहां से उनका आवागमन प्रतिबंधित किया गया है। नियंत्रण क्षेत्र के घोषित जिलों के अंदर या बाहर अन्य स्थलों पर पशुओं के व्यापार, मेला, प्रदर्शन, खेल और पशुओं को एकत्र करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। राज्य के पशुओं को सुरक्षित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा पशुपालकों के हित में कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत जिलों में जिला स्तर की संकलन सह मोनिटरिंग समिति बनाने कृषि, किसान कल्याण और सहकारिता विभाग द्वारा प्रस्ताव किया गया

है। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठन की जाने वाली समिति में जिला विकास अधिकारी, क्षेत्रीय रिजनल कमिश्नर ऑफ म्युनिसिपालिटिज, जिला पुलिस अधीक्षक, म्युनिसिपल डिप्टी कमिश्नर, जिला पशुपालन अधिकारी/पशुपालन विभग के उप निदेशक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मलेरिया अधिकारी, नगर पालिका चीफ ऑफीसर और प्रादेशिक परिवहन अधिकारी का समावेश किया जाएगा। यह समिति जिले में लम्पी स्कीन डिजीज नियंत्रण, बचाव समेत उपचार संबंधित सभी कार्यवाही का संकलन और मोनिटरिंग करेगी। रोग प्रभावित पशुओं के उपचार, आइसोलेशन, वैक्सीनेशन समेत आनुषंगिक सभी कार्यवाही सुनिश्चित करेगी। प्रभावित पशुओं के आवागमन को नियंत्रण करने समेत पशुओं के वाडों में स्वच्छता, स्वास्थ्यप्रद वातावरण समेत कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव, आवारा प्रभावित पशुओं की निगरानी इत्यादि सुनिश्चित कर लम्पी स्कीन रोक के संबंध में सर्वेलन्स की कार्यवाही करेगी।

किसानों के लिए आय के वैकल्पिक साधन बनाने की रणनीति के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं : पीएम मोदी

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के के साबरकांठा में गढ़ोदा चौकी के निकट साबर डेयरी में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से स्थानीय किसानों और दूध उत्पादकों को सशक्त बनाया जाएगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। इससे क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने सुकन्या समृद्धि योजना के लाभार्थियों और शीर्ष महिला दुग्ध उत्पादकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा, च्च्आज साबर डेयरी का विस्तार हुआ है। सैकड़ों करोड़ रुपए के नए प्रोजेक्ट यहां लग रहे हैं। आधुनिक टेक्नॉलॉजी से लैस मिल्क पाउडर प्लांट और ए-सेप्टिक पैकिंग सेक्शन में एक और लाइन जुड़ने से साबर डेयरी की क्षमता और अधिक बढ़ जाएगी।ज्ज प्रधानमंत्री ने साबर डेयरी के संस्थापकों में से एक, भूरा पटेल को भी याद किया। उन्होंने क्षेत्र और स्थानीय लोगों के साथ अपने लंबे जुड़ाव को भी याद किया। प्रधानमंत्री ने दो दशक पहले अभाव और सूखे की स्थिति को याद किया। उन्होंने याद करते हुए कहा कि कैसे उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में लोगों के सहयोग से क्षेत्र में स्थिति को सुधारने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि पशुपालन और डेयरी उस प्रयास का प्रमुख तत्व है। उन्होंने चारा, दवा उपलब्ध कराकर पशुपालन को बढ़ावा देने और मवेशियों के लिए आयुर्वेदिक उपचार को बढ़ावा देने के बारे में भी बताया। उन्होंने विकास के उत्प्रेरक के रूप में गुजरात ज्योतिग्राम योजना के बारे में चर्चा की। मोदी ने गर्व के साथ कहा कि पिछले दो दशकों में उठाए गए कदमों के कारण गुजरात में डेयरी बाजार 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने 2007 और 2011 में अपनी पिछली यात्राओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के अपने अनुरोध की याद दिलाई। अब ज्यादातर समितियों में महिलाओं का अच्छा प्रतिनिधित्व है। उन्होंने कहा कि दूध का भुगतान ज्यादातर महिलाओं को किया जाता है। उन्होंने कहा कि ये प्रयोग अन्य क्षेत्रों में भी किए जा रहे हैं। देश में आज 10,000 किसान उत्पादक संघ- एफपीओ के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। इन एफपीओ के माध्यम से छोटे किसान फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी, एक्सपोर्ट से जुड़ी वैल्यू और सप्लाई चेन से सीधे जुड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि इसका बहुत अधिक लाभ गुजरात के किसानों को भी होने वाला है।

प्रधानमंत्री कहा कि किसानों के लिए आय के वैकल्पिक साधन तैयार करने की रणनीति के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। बागवानी, मत्स्यपालन, शहद उत्पादन से किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है। खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार एक लाख करोड़ से अधिक हो गया है। इस क्षेत्र में गांवों में 1.5 करोड़ से अधिक नए रोजगार सृजित हुए। पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाने जैसे उपाय किसानों के लिए नए रास्ते तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "2014 तक देश में 40 करोड़ लीटर से भी कम इथेनॉल की ब्लेंडिंग होती थी। आज ये करीब 400 करोड़ लीटर तक पहुंच रहा है। हमारी सरकार ने बीते 2 वर्षों में विशेष अभियान चलाकर 3 करोड़ से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड भी दिए हैं।" पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद यूरिया की नीम-कोटिंग, बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों को खोलना, नैनो उर्वरकों को बढ़ावा देना और सस्ती कीमतों पर यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे कदमों से देश और गुजरात के किसानों को फायदा हुआ है। सुजलाम सुफलाम योजना से साबरकांठा जिले की कई तहसीलों को पानी उपलब्ध कराया गया है।

मुख्यमंत्री ने पशुधन में लम्पी चर्मरोग को लेकर दूध उत्पादक संघ-डेयरी अध्यक्षों के सहयोग के लिए उच्च स्तरीय बैठक की

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में पशुधन में फैल रहे लम्पी चर्म रोग के विरुद्ध सघन पशु टीकाकरण, उपचार एवं रोग नियंत्रण की दिशा में राज्य सरकार के रक्षात्मक उपायों में राज्य के सहकारी दूध उत्पादन संघों एवं डेयरियों के अध्यक्षों का योगदान-सहयोग प्राप्त करने के उद्देश्य से बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया। पटेल ने सहकारी दूध उत्पादन क्षेत्र के गुजरात के अग्रणियों से अनुरोध किया कि वे अपने संघ तथा डेयरी सभासद पशुपालकों सहित अपने कार्य क्षेत्र में आने वाले गाँवों के पशुधन को इस लम्बी चर्म रोग से सुरक्षा देन के लिए वैक्सीन, टीकाकरण के कार्य में राज्य सरकार को सक्रिय सहयोग देकर व्यापक टीकारण से इस रोग को स्वस्थ पशुओं में फैलने से तेज़ी से रोक सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पशुपालन विभाग ने स्वस्थ पशुओं की इस महामारी से रक्षा करने के लिए निश्शुल्क टीकाकरण को मिशन मोड पर शुरू किया है। उन्होंने बताया कि अब तक राज्य के प्रभावित 15 ज़िलों के 1222 गाँवों में लम्बी चर्म रोग प्रभावित 43 हज़ार से अधिक पशुओं को उपचार दिया गया है। इतना ही नहीं, निरोगी पशुधन में महामारी को फैलने से रोकने के लिए 3 लाख 30 हज़ार से अधिक पशुओं का टीकाकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में जिन 15 ज़िलों में पशुधन में लम्बी चर्म रोग का संचार देखा गया है, उन ज़िलों में सूरत को छोड़ कर शेष 14 ज़िलों के पशुओं कीउनके ज़िलों से बाहर हेराफेरी पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिसूचना जारी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के दूध उत्पादक संघों एवं डेयरियों के लिए यह आवश्यक है कि वे अपने क्षेत्र के पशुधन में रोग को फैलने से रोकने के लिए निश्शुल्क पशु टीकाकरण हेतु प्रचार-प्रसार के कार्यक्रम, विज्ञापन आदि के माध्यम से पशुपालकों को बड़े पैमाने पर जागृत करें। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इन अग्रणियों को बताया कि राज्य के पशुधन में इस रोग को फैलने से रोकने के लिए कीड़े, घुड़मक्खी, मक्खी, पिस्सू जैसे रोग वाहकों का नियंत्रण कार्य एवं पशुओं के सम्पर्क में आने वाले वाहनों की सफ़ाई, डिसइन्फ़ेक्शन एवं कीटनाशक दवाइयों के छिड़काव कार्य युद्ध स्तर पर शुरू करने की सम्बद्ध जिला प्रशासनों को ताकीद की गई है।

मोबिला ने बॉलीवुड एक्ट्रेस काजल अग्रवाल को ब्रांड इंडोर्समेंट के लिए एसोसिएट किया

मुंबई। मोबाइल फोन एक्सेसरीज ब्रांड मोबिला जो कि मोबाइल एक्सेसरीज़ और लाइफस्टाइल उत्पादों में अपनी विशेष पहचान बना चुका हैद्य मोबिला सभी आयु वर्ग के लोगों को बाहरी दुनिया से जुड़े रहने की सारी जरूरतों को पूरा करता हैद्य इसी तरह बाज़ार में अपनी पकड़ और ज्यादा मजबूत बनाने के लिए मोबिला ने बॉलीवुड एक्ट्रेस सिंघम गर्ल के नाम से लोकप्रिय अभिनेत्री काजल अग्रवाल को ब्रांड एन्ड़ोर्सेर बनाने की घोषणा की हैद्य अपने विविध किरदारों और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार सहित कई पुरस्कार हासिल करने वाली काजल अग्रवाल, आने वाले समय में मोबिला के नए उत्पादों लिए प्रचार प्रसार अभियानों की एक श्रृंखला में शामिल होंगी।

इस मौके पर मोबिला के को-फाउंडर श्री जिग्नेश शाह एवं श्री हेतल शाह ने कहा- "काजल अग्रवाल एक जानी-मानी हस्ती हैं और एक भरोसेमंद व्यक्तित्व रखती हैं। मोबिला से उनका जुड़ाव हम सभी को यह दिखाने में मदद करेगा कि हमारे उत्पाद उनके जीवन में क्या मूल्य जोड़ सकते हैं।"

मोबिला के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्री विशाल गुप्ता ने कहा कि - "काजल अग्रवाल का व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली है और बाजार में उनकी अच्छी पहचान है। उन्हें हमारी मार्केटिंग रणनीतियों में शामिल करने से हमारे आने वाले उत्पादों की बाजार पहुंच को बढ़ावा मिलेगा।"

मोबिला के क्रिएटिव हेड श्री सचीन शर्मा ने कहा कि - "काजल फिल्म उद्योग में एक आइकन हैं, वह सभी आयु वर्ग के लोगों को प्रेरित करती हैं। उसके साथ होने से, हम अपने उपयोगकर्ताओं को यह समझ सकते हैं कि हमारे उत्पाद उनके जीवन में क्या अंतर लाएंगे।"

एसोसिएशन पर बोलते हुए एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने कहा कि- "मैं मोबिला जैसे ब्रांड के साथ साझेदारी करके उत्साहित हूं, जो एक प्रतिष्ठित भारतीय ब्रांड है, जो अपने उत्पाद की गुणवत्ता और ग्राहक सेवा के लिए वर्षों से भारतीय उपभोक्ताओं से प्यार और सम्मान प्राप्त कर रहा है। यह एक प्रगतिशील ब्रांड है, जिसके साथ मैं भी गोरवान्वित होती हूँ।"

TLSU ने कारगिल विजय दिवस पर भारत के वीर जवानो को श्रद्धांजलि अर्पित की

वडोदरा। 26 जुलाई के भारत की युद्ध जीत के उपलक्ष्य में कारगिल विजय दिवस मनाया और जिनके साहस और बलिदानने देश की सीमाओंकी रक्षा करनेमें मदद की एसे कारगिलके पराक्रमी शहीदोंको टीमलीज स्किल्स यूनिवर्सिटी (टीएलएसयू)ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

टीएलएसयूके कर्मचारियों और छात्रोंने मोमबत्तियां जलाई और कारगिल नायकोंके सम्मान और स्मरणके रूपमें दो मिनटका मौन रखा। छात्रोंको कारगिल विजय दिवसके महत्वके बारेमें जागरूक करनेके लिए ऑपरेशन विजय पर एक डोकुमेंट्री भी दिखायी गयी। इसके बाद छात्रोंने कविता और देशभक्तिके प्रेरणादायक गीत गाये। टीमलीज स्किल्स यूनिवर्सिटीकी प्रोवोस्ट प्रो. (डॉ.) अवनी उमटने छात्रोंको संबोधित करते हुए भारतीय सैनिकों की मातृभूमि के प्रति निस्वार्थ सेवा के बारे में जानकारी साझा की। उन्होने बतायाकी "देशकी सीमाओंकी रक्षा करने वाले हमारे सैनिकोंकी बहादुरी और साहस ही हमें शांतिसे जीने और अपने जीवन का आनंद लेने में मदद करता है।

जब मीडियामे हर दिन सैनिकके बलिदानके बारेमें खबर आती है तो यह न केवल एक परिवार बल्कि पूरे समुदाय और राष्ट्र को प्रभावित करता है, इसलिए आजके युवाओंको समाजके प्रति संवेदनशील होनेकी जरूरत है।"

प्रो. (डॉ.) अवनीने आज़ादी का अमृत मोहत्सव अंतर्गत सरकार द्वारा चलाये जा रहे देशभक्ति कार्यक्रम हर घर तिरंगा जैसी पहलके महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी विध्यार्थियों को अपने परिवार और देशके प्रति अपने कर्तव्यको लगनसे निभानेकी आवश्यकता पर बल दिया।

इस मोके पर टीमलीज स्किल्स यूनिवर्सिटीके रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) एच.सी. त्रिवेदी तथा विभिन्न विभागोंके विभाग प्रमुख एवम फेकल्टी भी उपस्थित थे। टीएलएसयू की एनएसएस इकाई द्वारा लाइफ स्किल विभागके सहयोगसे कार्यक्रमका आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल के अनुरूप टीमलीज स्किल्स यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियममें श्रम, कौशल विकास और रोजगार विभाग द्वारा आयोजित औद्योगिक रोजगार मेलेमें टीएलएसयू ने भी भाग लिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)